वर्ष - 35 ◆ अंक57 ◆ www.skhnewstv.com ◆ 6 सितम्बर 2024 फिरोजाबाद ◆ पृष्ठ : 8 ◆ मूल्य : 1

दैनिक सच क्या है की प्रस्तुति
SKH NEWS
R.N.I.NO. 56725/89

सच क्या है

(उत्तर भारत का प्रमुख हिन्दी दैनिक)

अंदर के पेज
3 सीएम योगी का पोषण मंत्र- बच्चों की सेहत सुधरेगी तो पीढ़ी संवरेगी
4 सनातन ही दुनिया का एकमात्र धर्म है : मुख्यमंत्री योगी
5 शिक्षक और गुरु की भूमिका पर चिन्तन करना आवश्यक: रामबहादुर राय
6 पैरामेडिकल कॉलेज : जांच समिति ने पेश की रिपोर्ट, पीड़िता के मानसिक उत्पीड़न को किया दरकिनार
7 शिक्षक दिवस पर के आई ई टी कॉलेज मे कक्षा 12 की छात्रा कविता राजपूत को बनाया एक दिन का प्रिंसिपल

प्रधानमंत्री ने सिंगापुर के कारोबारियों को भारत में निवेश के लिए किया आमंत्रित

सिंगापुर/नई दिल्ली, 05 सितंबर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्किल डेवलपमेंट पर केंद्र सरकार के विशेष जोर का उल्लेख करते हुए सिंगापुर के कारोबारियों को भारत में निवेश के लिए आमंत्रित किया है।

बिजनेस लीडर्स को अपने लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र काशी (वाराणसी) में निवेश करने के लिए आमंत्रित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने ऐतिहासिक शहर में प्रसिद्ध भारतीय 'पान' का भी जिक्र किया। सिंगापुर में बिजनेस लीडर्स समिट को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ह्लजब भी भारत में पान की चर्चा होती है, तो वह वाराणसी के बिना अधूरी रह जाती है। मैं वाराणसी से सांसद हूं ह्व

सिंगापुर बिजनेस लीडर्स के साथ बैठक में उन्होंने हल्के-फुल्के लहजे में कहा, "यदि आप पान खाने का आनंद लेना चाहते हैं, तो आपको काशी में निवेश करना चाहिए।" उन्होंने भारत में वैश्विक निवेश का आह्वान करते हुए एक अनूठा संदेश देते हुए व्यापारिक समुदाय को संबोधित किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कौशल विकास एक ऐसा मुद्दा है जो हमारी सभी चचाओं में उभर कर आता है। भारत में हम इंडस्ट्री 4.0 को ध्यान में रखते हुए और सेमीकंडक्टर के क्षेत्र को देखते हुए कौशल विकास पर बहुत बल दे रहे हैं। भारत की आवश्यकताओं के साथ कौशल विकास संबंध एक ग्लोबल जॉब मार्केट से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा, ह्लअगर आपकी (सिंगापुर) कंपनियां ग्लोबली क्या चल रहा है, उसका सर्वे करें और ग्लोबल डिमांड का विश्लेषण करें और उसके अनुसार भारत में कौशल विकास के लिए आएं, तो ग्लोबल जॉब मार्केट को बड़ी आसानी से एड्रेस कर सकते हैं ह्व

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह उनका तीसरा कार्यकाल है। जो लोग भारत से परिचित हैं, उन्हें पता होगा कि 60 साल बाद किसी सरकार को तीसरी बार जनादेश मिला है। इसके पीछे का कारण हमारी सरकार की नीतियों में लोगों का विश्वास है। अगर दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला कोई विमानन क्षेत्र है, तो वह भारत में है। एमआरओ होना हमारी प्राथमिकता है। आपको (व्यवसायों को) हवाई अड्डों के विकास में निवेश करने के लिए भारत आना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हम भारत में एक प्रतिस्पर्धी विमानन क्षेत्र चाहते हैं। भारत में निवेश के बहुत सारे अवसर हैं। सौर, पवन, परमाणु और तापीय ऊर्जा पर समान जोर दिया जाएगा। हरित अर्थव्यवस्था की दिशा में हमारी पहल में निवेश और रोजगार के अवसर पैदा करना शामिल है। मोदी ने कहा, ह्लऊर्जा से जुड़े हुए ऐसे कई क्षेत्र हैं, जहां ग्रीन जॉब की पूरी संभावना है, हम इसमें पहल कर रहे हैं। मैं आपसे आग्रह करता हूं, आप भी आइए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के पास टैलेंट है और उसका लाभ दुनिया को मिलेगा। आज फिनटेक की दुनिया में हमारा यूपीआई, दुनिया में जितना रियल टाइम ट्रांजेक्शन होता है, उसका 50 प्रतिशत अकेले भारत में होता है। फिनटेक की दुनिया में अगर ग्लोबल लीडर बनना है, तो भारत को केंद्र बिंदु बनाकर बड़ी आसानी से आप फिनटेक की दुनिया में आगे आ सकते हैं।

जीएसटी पर केंद्र और राज्यों के बीच कोई टकराव नहीं : सीतारमण

चेन्नई/नई दिल्ली, 05 सितंबर (हि.स.)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को लेकर केंद्र और राज्यों के बीच कोई टकराव नहीं है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और प्रौद्योगिकी के उपयोग से आयकर और जीएसटी के संबंध में व्यापार करने में ज्यादा सरलता और आसानी आई है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तमिलनाडु के चेन्नई में राजस्व बार एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। उन्होंने जीएसटी पर केंद्र और राज्यों के बीच किसी भी तरह के ह्यटकरावह्ण से इनकार करते हुए कहा कि इस आर्थिक सुधार में संघीय ढांचे का सम्मान किया जाना चाहिए।

सीतारमण ने कहा कि केंद्रीय बजट पर सभी परामर्श बैठकों के दौरान राजस्व बढ़ाने के बजाय करदाताओं के लिए अनुपालन को सरल और आसान बनाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि एक प्रमुख परामर्श एजेंसी के हाल ही में किए गए सर्वेक्षण के मुताबिक 84 फीसदी उद्योग उत्तरदाताओं ने जीएसटी के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।

वित्त मंत्री कहा कि लगभग 60 फीसदी उपभोक्ता वस्तुओं पर 5 फीसदी या उससे कम की जीएसटी दर लागू होती है। उन्होंने कहा कि जीएसटी ने सरलीकरण और दर में कमी लाया है। उन्होंने कहा कि तीन फीसदी से भी कम उपभोग की वस्तुएं 28 फीसदी ब्रैकेट में हैं। इसलिए जीएसटी ने आम आदमी पर बोझ कम किया है।

सीतारमण ने कहा कि जो लोग यह मानते हैं कि वित्त मंत्रियों की बैठक में असंगत बातें होती हैं, उनसे मैं कहना चाहूंगी कि यहां पर सबसे कम राजनीति होती है। हर वित्त मंत्री अच्छा राजस्व सृजन और कर आधार को व्यापक बनाना चाहता था।

उन्होंने कहा कि मैं रेवन्यू बार एसोसिएशन से अनुरोध करूंगी कि वे अपने सदस्यों को प्रौद्योगिकी और एआई-संचालित अनुप्रयोगों को संभालने में परिचित कराएं, ताकि आप अपने ग्राहकों को सरलीकरण और अनुपालन में इसके योगदान के बारे में सलाह दे सकें इसके अलावा वित्त मंत्री सीतारमण ने चेन्नई में दक्षिणी भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसआईसीसी) की 114वीं वार्षिक आम बैठक को भी संबोधित किया।

गौरतलब है कि निर्मला सीतारमण दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं।

राष्ट्रपति ने 50 शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए

-किसी भी शिक्षा प्रणाली की सफलता में शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 05 सितंबर (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को शिक्षक दिवस पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक समारोह में देश भर के 50 शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2024 प्रदान किए।

राष्ट्रपति मुर्मू ने इस मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षकों को ऐसे नागरिक तैयार करने होंगे जो न केवल शिक्षित हों बल्कि संवेदनशील, ईमानदार और उद्यमी भी हों। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ना ही सफलता है, लेकिन जीवन की सार्थकता दूसरों के कल्याण के लिए काम करने में है। हमारे अंदर करुणा होनी चाहिए। हमारा आचरण नैतिक होना चाहिए। सार्थक जीवन में ही सफल जीवन निहित है। छात्रों को ये मूल्य सिखाना शिक्षकों का कर्तव्य है।

राष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी शिक्षा व्यवस्था की सफलता में शिक्षकों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षण केवल एक नौकरी नहीं है। यह मानव विकास का एक पवित्र मिशन है। अगर कोई बच्चा अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाता है, तो शिक्षा व्यवस्था और शिक्षकों की जिम्मेदारी और भी बड़ी हो जाती है। उन्होंने कहा कि अक्सर शिक्षक केवल उन्हीं छात्रों पर विशेष ध्यान देते हैं जो परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करते हैं। हालांकि, उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन उत्कृष्टता का केवल एक आयाम है। कोई बच्चा बहुत अच्छा खिलाड़ी हो सकता है; किसी बच्चे में नेतृत्व कौशल हो सकता है; कोई बच्चा सामाजिक कल्याण गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेता हो। शिक्षक को प्रत्येक बच्चे की स्वभाविक प्रतिभा को पहचानना होता है और उसे मौका देना होता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी समाज में महिलाओं की स्थिति उसके विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मानदंड है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों और अभिभावकों की यह जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को इस तरह शिक्षित करें कि वे हमेशा महिलाओं की गरिमा के अनुरूप आचरण करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं का सम्मान केवल ह्यशब्दोंह्ण में ही नहीं बल्कि ह्यव्यवहारह्ण में भी होना चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के अनुसार, यदि कोई शिक्षक स्वयं निरंतर ज्ञान अर्जित नहीं करता है तो वह सही मायने में शिक्षण नहीं कर सकता। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी शिक्षक ज्ञान अर्जित करने की प्रक्रिया को जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से उनका शिक्षण अधिक प्रासंगिक और रोचक बना रहेगा।

राष्ट्रपति ने शिक्षकों से कहा कि उनके छात्रों की पीढ़ी एक विकसित भारत का निर्माण करेगी। उन्होंने शिक्षकों और छात्रों को वैश्विक मानसिकता और विश्व स्तरीय कौशल रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि महान शिक्षक एक महान राष्ट्र का निर्माण करते हैं। केवल विकसित मानसिकता वाले शिक्षक ही ऐसे नागरिक तैयार कर सकते हैं जो एक विकसित राष्ट्र का निर्माण करेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि छात्रों को प्रेरित करके हमारे शिक्षक भारत को दुनिया का ज्ञान केंद्र बनाएंगे।

कोयला मंत्रालय ने 3 वाणिज्यिक कोयला खदानों के लिए जारी किए आवंटन आदेश

नई दिल्ली, 05 सितंबर (हि.स.)। कोयला मंत्रालय ने गुरुवार को तीन वाणिज्यिक कोयला खदानों के लिए आवंटन आदेश जारी किए हैं। इन आवंटित कोयला खदानों में एनएलसी इंडिया लिमिटेड को माचकाटा, गुजरात मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन को कुडनाली लुबरी और टीएएनजीईडीसीओ को सखीगोपाल-बी काकुरही शामिल है।

कोयला मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि तीन वाणिज्यिक कोयला खदानों के लिए आवंटन आदेश जारी किए गए हैं।

इन तीन कोयला खदानों में से एक पूरी तरह से खोजी गई कोयला खदान है, जबकि दो आंशिक रूप से खोजी गई कोयला खदानें हैं। कोयला मंत्रालय ने जिन तीन कोयला खदानों के लिए वेस्टिंग ऑर्डर जारी किए गए हैं, उनकी संचयी अधिकतम निर्धारित क्षमता (पीआरसी) 30.00 एमटीपीए है।

मंत्रालय ने कहा कि इनमें 2,194.10 एमटी भूवैज्ञानिक भंडार हैं। इन खदानों से पीआरसी के आधार पर 2,991.20 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व उत्पन्न होने की उम्मीद है और 4,500 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश आकर्षित होगा। इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 40,560 लोगों को रोजगार मिलेगा।

कोयला मंत्रालय ने इन तीन खदानों को मिलाकर अब तक कुल 95 कोयला खदानों के लिए निहितीकरण या आवंटन आदेश जारी किए जा चुके हैं, जिनकी संचयी पीआरसी 202.50 एमटीपीए है।

इन खदानों की पीआरसी के आधार पर गणना करके 29,516.84 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व प्राप्त होगा, जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 2,73,773 लोगों के लिए रोजगार सृजित होगा।

शिक्षक का योगदान शिक्षा देने तक सीमित नहीं होता : लोकसभा अध्यक्ष

-लोकसभा अध्यक्ष ने आज दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज के विद्यार्थियों और शिक्षकों को संबोधित किया

नई दिल्ली, 05 सितंबर (हि.स.)। किसी भी देश के शिक्षण संस्थान देश की दिशा और भविष्य निर्धारित करते हैं। शिक्षक का योगदान सिर्फ शिक्षा देने तक सीमित नहीं होता बल्कि वे हमें शिक्षित करने के साथ-साथ हमारे व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और कौशल को भी तराशते हैं और हमारे जीवन को नया रूप देते हैं। यही कारण है कि हमारे प्राचीन दर्शन में गुरु को मात्र शिक्षा का स्रोत ही नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व निर्माण, समाज निर्माण और राष्ट्र निर्माण का सूत्रधार माना जाता है। शिक्षक दिवस के अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज के विद्यार्थियों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं।

इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने सबसे पहले महान शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन और सभी गुरुओं का आदरपूर्वक नमन किया। वहीं विद्यार्थियों के जीवन और राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों के योगदान के बारे में बात करते हुए कहा कि गुरु का स्थान भारतीय ज्ञान परंपरा में सबसे ऊपर है। उन्होंने विद्यार्थियों से महात्मा हंसराज जैसे महापुरुषों की जीवनी पढ़ने और उनसे प्रेरणा लेने का आग्रह किया। यहां पर उन्होंने यह भी कहा कि इन महान व्यक्तियों ने अपने जीवन में जिन संघर्षों का सामना किया है, उससे सीख लेते हुए विद्यार्थियों को लोगों के जीवन को बेहतर बनाने और विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में काम करने के लिए स्वयं को प्रतिबद्ध करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान बिरला को महात्मा हंसराज पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस मौके पर लोकसभा सांसद नवीन जिंदल भी मौजूद रहे।

बिरला ने आगे कहा कि आने वाले समय में चौथी औद्योगिक क्रांति होगी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जैव प्रौद्योगिकी और अन्य नए क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति होगी। इसलिए रिसर्च के इन आधुनिक विषयों में देश को अग्रणी बनाए रखना सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे कहा कि हमारा देश सामाजिक-आर्थिक रूप से पूरी तरह बदल गया है और ये बदलाव गुरुओं के कारण संभव हुए हैं। जिन्होंने पीढ़ी दर पीढ़ी जिन विद्यार्थियों को शिक्षित किया है, उनकी क्षमता, दक्षता और गुणवत्ता के कारण भारत आज तेजी से आगे बढ़ रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि आज की इस तेजी से बदलती हुई दुनिया में शिक्षकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। हमारे युवाओं को भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करने की जिम्मेदारी शिक्षकों के कंधों पर ही है। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल से ही शिक्षा पर जोर देने के कारण ही आज भारत विकसित हुआ है। वर्तमान समय में भारत के युवा लगभग सभी क्षेत्रों में अग्रणी हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि शिक्षकों के मार्गदर्शन में ही हमारे युवा न केवल आने वाले बदलावों के अनुसार अपने आप को ढालना सीखेंगे बल्कि बदलाव व शिक्षा के क्षेत्र में भारत की बढ़ती ताकत के चलते हमारे युवा शीघ्र ही विकसित देशों में आर्थिक प्रगति का नेतृत्व करेंगे।

हंसराज कॉलेज के इतिहास और शिक्षा के क्षेत्र में इसकी उल्लेखनीय उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि 1948 में स्थापित हंसराज कॉलेज शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है और देश की शीर्ष संस्था के रूप में अपनी पहचान बनाई है। बीते दशकों में हंसराज कॉलेज लगातार अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करता आया है

और यहां छात्रों को ऐसा शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे मूल्य आधारित शिक्षा और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि हंसराज कॉलेज अपनी गौरवशाली विरासत के अनुसार आगे भी राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा।

मिस्र के रेगिस्तानी आसमान में भारत के एएलएच ध्रुव मार्क-ककक का बहुमुखी प्रदर्शन

नई दिल्ली, 05 सितम्बर (हि.स.)। भारत के एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर ने पहली बार मिस्र के रेगिस्तानी आसमान में

अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अंतरराष्ट्रीय एयर शो के उद्घाटन पर भारतीय वायु सेना की सारंग डिस्प्ले टीम ने शानदार प्रदर्शन करके दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भारतीय कंपनियों ने स्वदेशी हथियारों के स्टॉल लगाकर दुनियाभर की विमानन और एयरोस्पेस कंपनियों को आकर्षित किया। मिस्र में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते ने इंडिया पवेलियन में एचएएल और बीडीएल के स्टॉल का दौरा किया।

मिस्र अंतरराष्ट्रीय एयर शो के पहले संस्करण की औपचारिक शुरूआत मंगलवार को देश के उत्तरी हवाई अड्डे अल अलामीन पर हुई, जिसमें मिस्र, चीन और अन्य देशों की वायु सेनाओं ने अपने-अपने आसमानी करतब दिखाए। अंतरराष्ट्रीय एयर शो के उद्घाटन पर भारतीय वायु सेना की सारंग डिस्प्ले टीम ने एक शानदार प्रदर्शन करके दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सारंग टीम अपनी सटीकता और शानदार हवाई प्रदर्शनों के लिए जानी जाती है, जो भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टर विमानन कौशल को दिखाती है। इस अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में सारंग टीम की भागीदारी वैश्विक विमानन क्षेत्र में भारत की बढ़ती प्रमुखता को दर्शाती है। पांच सारंग हेलीकॉप्टरों को सी-17 ग्लोबमास्टर विमान से मिस्र ले जाया गया है, जो लंबी दूरी तक तैनाती में भारतीय वायु सेना की सैन्य क्षमताओं को प्रदर्शित करता है।

एयर शो में एचएएल के एएलएच ध्रुव मार्क-ककक ने पहले पहली बार मिस्र के रेगिस्तानी आसमान में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यहां अंतरराष्ट्रीय बाजार को आकर्षित करने के लिए भारत की कंपनियों ने अपने स्टॉल लगाए हैं।

मिस्र में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते ने इंडिया पवेलियन में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) के स्टॉल का दौरा किया। एयर शो की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार इस कार्यक्रम का उद्देश्य अफ्रीका और मध्य पूर्व में रक्षा, अंतरिक्ष और वाणिज्यिक विमानन क्षेत्रों में औद्योगीकरण, डिजिटलीकरण और वैश्वीकरण को गति देना है। इसमें एयर शो के साथ-साथ रक्षा, अंतरिक्ष और वाणिज्यिक विमानन क्षेत्रों के नए उत्पादों की प्रदर्शनी भी शामिल है, जिससे एयरोस्पेस उद्योग के भविष्य को आकार मिलने की उम्मीद है।

इस एयर शो में दुनिया की 300 से अधिक विमानन और एयरोस्पेस कंपनियों और लगभग 100 देशों ने भाग लिया है। प्रतिभागियों में कई चीनी कंपनियां शामिल हैं, जो अपने साथ बड़े यात्री विमान, सी-919 के अलावा विभिन्न प्रकार के विमानों के मॉडल लेकर आई। एयर शो की शुरूआत मिस्र की वायु सेना के सिल्वर स्टार्स के उड़ान प्रदर्शन के साथ हुई।

इसके बाद चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, इटली, चेक गणराज्य, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, तुर्की और भारत की वायु सेनाओं ने भी अपने-अपने हवाई करतब दिखाए। चीन ने घरेलू रूप से विकसित बड़े परिवहन विमान वाई-20 का एकल प्रदर्शन किया।

सम्पादकीय

फर्ज की तौहीन

करमुक्त मानसिकता के आलोक में दौड़ती हिमाचल की गाड़ी अचानक पहियों से बाहर निकल गई और यकीन न हो तो नब्बे हजार करोड़ के कर्ज में डूबे ह्यविचित्र आशावादह्ण के गड्ढे देख लेना। आश्चर्य यह कि हमारा नागरिक समाज केवल सरकार की अभिलाषा में जीता है। निजी शान के लिए प्रगति, इम्तिहान के लिए सरकारें। क्या आप गिन सकते हैं कि पिछले एक दशक में सबसे अधिक प्रति व्यक्ति वाहन, जेसीबी मशीनें, सीमेंट-सरिया, ब्रांडेड कपड़े और खानपान के लिए फूड चेन का चयन हमने किया। हम अगर पिछड़े हैं तो प्रदेश को वांछित कर चुकाने में ही देश भर में पीछे हैं। हम शहरी मानसिकता से ओतप्रोत गांव में हल नहीं, भवन उगाते हैं। पूरे प्रदेश की सडकों पर वाहन पार्क करके या किनारों पर व्यापारिक भवन बनाकर अपने फर्ज की इतिश्री कर देते हैं। यकीन न हो तो बल्ह घाटी या कुल्लू से भुंतर के बीच इमारतों के जमघट में उखड़ी फसलों की जड़ों में जमे सीमेंट को देख लें। देख लें कि हर सडक पर बाजार दौड़ रहा। यही बाजार पपरोला से बैजनाथ के बीच दौलत की नुमाइश-पैमाइश बन जाता है, लेकिन व्यवस्थित होने को कहर मानकर और टीसीपी के दायरे में आने भर की सूचना से कोहराम मच जाता है। पालमपुर-धर्मशाला को नगर निगम की वकालत में नागरिक सुविधाओं का अंबार चाहिए, लेकिन टीसीपी की जरूरत में शहरीकरण का यह पैगाम मंजूर नहीं। शहरी नियोजन यह समझाने में असफल रहा कि शहरीकरण की उम्मीदों में जीने की कुछ लागत व योजना के दायरे में भविष्य की शर्तें नत्थी हैं। आश्चर्य यह कि आधी सदी से आया ग्राम एवं नगर योजना कानून अपने पक्ष में इतना सा तर्क भी पैदा नहीं कर सका कि जनता आज स्वयं आगे बढकर इसे अंगीकार करती। विडंबना भी यही है कि नेताओं ने प्रदेश की मिट्टी को इतना नर्म कर दिया कि आर्थिक विषमताओं से बचने के लिए बाड़बंदी तक नहीं हो सकी।

प्रदेश में 24 लाख पंजीकृत वाहनों की तादाद बताती है कि शायद ही किसी घर में अब गरीबी बची होगी, लेकिन हमारे नियमों का सौदा सडक पर होने लगा। क्यों नहीं यह प्रदेश जीने के आदर्श और राज्य के प्रति नागरिक फर्ज की आचार संहिता बना पाता। कम से कम शहरों में इमारतों के नक्शे में पार्किंग की शर्त इस तरह लागू हो कि वाहन का पंजीकरण तब ही प्रमाणित होगा जब मालिक के पास माकूल जगह हो। दूसरी ओर वाहन पंजीकरण के साथ एकमुश्त पार्किंग फीस लेकर ऐसा फंड बनाया जाए तो वाहनों की संख्या के अनुरूप हर शहर से कस्बे तक पार्किंग व्यवस्था को मुकम्मल बनाया जा सकता है। अगर कर्मचारियों की ओपीएस बहाल हुई, तो वित्तीय प्रबंधन में इन्हीं के बीच राज्य के बांड जारी करके, एक आंतरिक वित्तीय व्यवस्था की मद में अगर उत्पादक निवेश को तरजीह दी होती, तो प्रति व्यक्ति आय में अग्रणी हिमाचली समाज अपनी बचत को सरकार की गारंटी व विश्वसनीयता के आधार पर, एक निश्चित लाभ की अपेक्षा में लगा देता। इसके विपरीत हमने कर्ज लेकर जो विकास किया, उसके कई शिलालेख अनुपयोगी साबित हुए। हमने अपनी पीढ़ियों को ऐसे पाठ्यक्रम की उपज बना दिया, जो सिर्फ सरकारी नौकरी के लिए केवल अर्जी ही लिख सकती हैं। निजी क्षेत्र व स्वरोजगार के प्रति हमारी व्यवस्था में अनुदारता का भाव रहा है, जो वर्षों से अलाभकारी निगमों व बोर्डों को राजनीतिक आत्मसम्मान व सत्ता के सेवक की तरह ढो रहा है। घाटे के निगम-बोर्डों के सियासी ओहदेदार तिलक लगाकर इन्हें उपभोग की वस्तु मानते हैं, जबकि निजी क्षेत्र के लिए हिमाचल कठोर व बहुत कमजोर तरीके से व्यवहार करता है। ऐसे में प्रति व्यक्ति आय में सर्वश्रेष्ठ हिमाचली नागरिक समाज को अब शुल्क अदायगी के योगदान में अगले स्तर तक पहुंचने के लिए तैयार होना पड़ेगा, वरना मध्यम वर्गीय समाज को बीमारू राज्य में पिछड़े रहने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित शिक्षा की जरूरत

डॉ. सौरभ मालवीय

शिक्षा को लेकर समय-समय पर अनेक प्रश्न उठते रहते हैं, जैसे कि शिक्षा पद्धति कैसी होनी चाहिए? पाठ्यक्रम कैसा होना चाहिए? विद्यार्थियों को पढ़ाने का तरीका कैसा होना चाहिए? वास्तव में स्वतंत्रता से पूर्व देश में अंग्रेजी शासन था। अंग्रेजों ने अपनी सुविधा एवं आवश्यकता के अनुसार शिक्षा पद्धति लागू की। उनका उद्देश्य भारतीयों को शिक्षित करना नहीं था, अपितु उनका उद्देश्य केवल अपने लिए क्लर्क तैयार करना था। देश की स्वतंत्रता के पश्चात स्वदेशी सरकार ने इस ओर विशेष ध्यान नहीं दिया। स्वतंत्रता के पश्चात देश में बहुत से कार्य करने थे। संभव है कि इस कारण इस ओर ध्यान नहीं गया हो अथवा उस समय के लोगों को अंग्रेजी शिक्षा पद्धति उचित लगी हो। कारण जो भी रहा हो, देश में अंग्रेजी शिक्षा पद्धति से ही पढ़ाई होती रही। कुछ दशकों पूर्व देश में नई शिक्षा पद्धति की आवश्यकता अनुभव की जाने लगी तथा इस पर विचार-विमर्श प्रारंभ हुआ।

वर्तमान शिक्षा पद्धति

वर्तमान शिक्षा पद्धति का अपना महत्व है। आज प्राथमिक विद्यालयों के बच्चे भी विभिन्न विषयों पर बात कर लेते हैं, क्योंकि उन्हें आरंभ से ही विभिन्न विषय पढ़ाए जाते हैं। कुछ दशक पूर्व तक ऐसा नहीं था। किंतु आज की शिक्षा पद्धति में कुछ कमियां भी हैं, जैसे आज परीक्षा में सर्वाधिक अंक लाने पर बल दिया जाता है। अभिभावक भी यही चाहते हैं। उनके लिए इस बात का कोई अर्थ नहीं है कि उनके बच्चे विषय को समझ कर ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं अथवा केवल रट्टे लगाकर परीक्षा में उत्तर लिख रहे हैं। उन्हें तो केवल अधिक से अधिक अंक चाहिए। परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ही योग्य माने जाने लगे हैं। कम या औसत अंक पाने वाले विद्यार्थी कमजोर माने जाते हैं। इसलिए विद्यार्थियों पर परीक्षा का दबाव बना रहता है। अक्सर वे मानसिक तनाव की चपेट में भी आ जाते हैं। दबाव के कारण भी उन्हें अधिक अंक पाने की लालसा रहती है। इसलिए आज शिक्षा व्यवसायिक होती जा रही है। किंतु सुखद बात यह है कि शिक्षाविदों और सरकारों का ध्यान इस ओर गया है तथा इसमें अब परिवर्तन आने लगा है। अपनी मातृभाषा में शिक्षा दिलाना, इसका एक बड़ा उदाहरण है। अब प्राथमिक विद्यालयों से लेकर विश्वविद्यालयों तक में मातृभाषा में शिक्षा दिलाई जाने लगी है। आज के समय में हिंदी में चिकित्सीय एवं तकनीकी शिक्षा उपलब्ध करवाना किसी स्वप्न से कम नहीं है। कुछ वर्ष पूर्व तक इस बारे में सोचना भी सरल नहीं था। यह एक सार्थक पहल है। भविष्य में इसके अच्छे परिणाम सामने आएंगे।

भारतीय ज्ञान परम्परा

शिक्षा भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित होनी चाहिए। सदैव से हमारी प्राचीन भारतीय सभ्यता विश्व की सर्वाधिक गौरवशाली एवं समृद्ध सभ्यताओं में एक रही है। विश्व के अधिकतर देशों में जब बर्बरता का युग था, उस समय भी हमारी भारतीय सभ्यता अपने शीर्ष पर थी। इसका सबसे बड़ा कारण शिक्षा ही है। हमारे पूर्वजों ने शिक्षा के क्षेत्र में अत्यंत उन्नति की। शिक्षा के कारण ही जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विकास हुआ। इस पवित्र भारत भूमि पर वेद, पुराणों एवं उपनिषदों की रचना हुई। रामायण की रचना हुई, जिसमें जीवन का सार है। महाभारत की रचना हुई, जो हमें अन्याय के विरुद्ध खड़ा होने की प्रेरणा देती है। यह सब शिक्षा के कारण ही संभव हो सका। मानव के लिए वायु, जल एवं भोजन जितना आवश्यक है, शिक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। इसलिए शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो विद्यार्थियों को अक्षर ज्ञान देने के साथ उनके व्यक्तित्व का भी विकास करे। हमारी प्राचीन शिक्षा प्रणाली ऐसी ही थी।

शिक्षा का प्रथम उद्देश्य ही विद्यार्थी के चरित्र का निर्माण करना है। हमारी भारतीय संस्कृति में चरित्र निर्माण पर सर्वाधिक बल दिया गया है, क्योंकि चरित्र के बिना किसी भी गुण का कोई महत्व नहीं है। मनुस्मृति में कहा गया है कि सभी वेदों का ज्ञाता विद्वान भी सच्चरित्रता के अभाव में श्रेष्ठ नहीं है, किंतु केवल गायित्री मंत्र का ज्ञाता पंडित यदि चरित्रवान है, तो वह श्रेष्ठ है। इससे चरित्र की महत्ता का पता चल जाता है। वास्तव में शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं होना चाहिए, अपितु शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास होना चाहिए, ताकि वह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विकास कर सके।

शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थी को उसके अधिकारों के साथ-साथ उसके कर्त्तव्यों के बारे में जानकारी देना भी होना चाहिए, ताकि वह अपने अधिकारों को प्राप्त कर सके तथा परिवार एवं समाज के प्रति अपने कर्त्तव्यों का भी निर्वहन कर सके। शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थी के जीवन स्तर को उन्नत एवं समृद्ध बनाना भी है। शिक्षा के माध्यम से वह अपने जीवन को सुगम, उन्नत एवं समृद्ध बना सके। प्राचीन काल में विद्यार्थियों को अक्षर ज्ञान के साथ-साथ व्यवसायिक कार्यों का भी प्रशिक्षण दिया जाता था, ताकि वे अपने-अपने कार्यों में भी निपुणता प्राप्त कर सकें। एक नैतिकता से परिपूर्ण चरित्रवान व्यक्ति ही अपने कुल, समाज एवं राष्ट्र का नाम ऊंचा कर सकता है। इसके अतिरिक्त शिक्षा विज्ञान पद्धति पर भी आधारित होनी चाहिए तथा इसमें नवाचार भी होना चाहिए।

नैतिक शिक्षा की आवश्यकता

आज के समय में जिस प्रकार समाज में वैमनस्यता तीव्र गति से बढ़ रही है, वह दुख एवं चिंता का विषय है। वर्तमान समय में मनुष्य का जीवन-मूल्यों से विश्वास उठता जा रहा है। वह चरित्र की अपेक्षा धन-संपत्ति को महत्व दे रहा है। इससे उसका नैतिक पतन हो रहा है तथा समाज में अपराध दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। आज के युवाओं को नित-नई चीजें चाहिए। इसके लिए कुछ युवा अनैतिक कार्यों का सहारा भी लेते हैं। आपराधिक तत्व उनकी महत्वाकांक्षा का अनुचित लाभ उठाते हुए उन्हें अपराध की दलदल में फंसा देते हैं। इस प्रकार उनका जीवन नष्ट हो जाता है। इसलिए पाठ्यक्रम में ऐसे परिवर्तन की आवश्यकता है, जिससे मनुष्य का नैतिक विकास हो तथा वह एक सुसभ्य समाज का निर्माण करने में सहायक सिद्ध हो सके।

नई शिक्षा पद्धति में इस बात पर ध्यान दिया जा रहा है। नई शिक्षा पद्धति का उद्देश्य ऐसे सदाचारी मनुष्यों का विकास करना है, जिनमें दया, करुणा एवं सहानुभूति आदि गुण हों। जो नैतिक मूल्यों से संपन्न हों, जिनके लिए मानवीय मूल्य सर्वोपरि हों। जो केवल अपने बारे में न सोचकर संपूर्ण समाज के बारे में सोचें। इसलिए उत्तम शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम में चारित्रिक विकास एवं मानवीय गुणों को विकसित करने के विषयों को भी सम्मिलित किया जाना चाहिए, जिससे नागरिक सामाजिक, नैतिकता तथा आध्यात्मिक मूल्यों को प्राप्त कर सकें। हमारे पूर्वजों ने हमें 'वसुधैव कुटुंबकम' का मंत्र प्रदान किया है, जिसका अर्थ है कि धरती ही परिवार है। यही हमारे सनातन धर्म का मूल संस्कार एवं विचारधारा है। हमें इस मंत्र को जीवन में आत्मसात करना होगा।

इसका प्रारंभ बाल्यकाल से ही होना चाहिए। यह संस्कार बालकों को घुट्टी में मिलना चाहिए। इसके लिए मूल्य आधारित एवं नैतिक शिक्षा की नितांत आवश्यकता है। बच्चों को देश के तीज-त्यौहारों के बारे में विस्तार से जानकारी देनी चाहिए। उन्हें इन त्यौहारों से संबंधित देवी-देवताओं की कथाएं सुनानी चाहिए। उन्हें इनसे संबंधी घटनाओं की जानकारी देनी चाहिए।

मयार्दा पुरुषोत्तम राम का चरित्र प्रेरणा का स्त्रोत है। वे एक आदर्श पुत्र, आदर्श भ्राता एवं आदर्श मित्र आदि थे। इसके अतिरिक्त देश के महापुरुषों से संबंधित जीवनियां भी बच्चों को पढ़ाई जानी चाहिए, ताकि वे इनसे प्रेरणा प्राप्त कर सकें। इस बात में संदेह नहीं कि यदि शिक्षा भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित होगी, तो इससे शिक्षकों एवं छात्रों के संबंध और अधिक मधुर होंगे।

(लेखक, लखनऊ विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक हैं।)

आज का राशिफल

मेष : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-2-6-8

वृष : मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

कर्क : राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। मेहमानों का आगमन होगा। छात्रों को लाभ। शुभांक-4-6-7

सिंह : आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। इच्छित स्थान की यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-6

कन्या : आगे-आगे गौरख जागे वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल व समन्वय बनाय। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-5-7

तुला : जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक : लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय समान रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-2-4-6

धनु : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-4-6-7

मकर : प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-5

कुंभ : कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। शुभांक-3-4-6

मीन : राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-4-6

6 सितंबर 1889 : सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शरत चंद्र बोस का जन्म

रमेश शर्मा

भारतीय स्वाधीनता संग्राम में कुछ ऐसे विलक्षण व्यक्तित्व थे, जिन्होंने अपने संघर्ष से अंग्रेजों को भारत से बाहर करने के लिये नया इतिहास रचने वाली पीढ़ी तैयार की। ऐसे ही महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे शरत चन्द्र बोस। ये नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के बड़े भाई थे। नेताजी सुभाषचन्द्र को उन्होंने ही आजाद हिन्द फौज गठित करने के लिये प्रेरित किया था।

ऐसे विलक्षण व्यक्तित्व और विचारक शरत चन्द्र बोस का जन्म 6 सितम्बर 1889 को उड़ीसा प्राँत के अंतर्गत कटक में हुआ था। पिता जानकी नाथ बोस कटक (उड़ीसा) क्षेत्र के सुविख्यात एडवोकेट थे। उन्हें अंग्रेजों ने राय बहादुर की उपाधि से सम्मानित किया था। माता प्रभावती संस्कारवान महिला थीं जो भारतीय परंपराओं के अनुरूप जीवन जीने की समर्थक थीं। शरत बाबू नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के बड़े भाई थे। दोनों की आयु में आठ वर्षों का अंतर था। सुभाष बाबू बचपन से शरत जी का अनुसरण करते थे और उनका मार्ग दर्शन लेकर आगे कार्य करते थे। समय के साथ शरत चन्द्र बोस का विवाह विभावती देवी से हुआ और परिवार कलकत्ता आ गया। शरद बाबू की आरंभिक शिक्षा कटक में हुई और आगे की पढ़ाई कलकत्ता में हुई। जब कलकत्ता आये तब पूरे बंगाल का वातावरण उथल-पुथल भरा था। अंग्रेजों ने बंगाल विभाजन की घोषणा कर दी थी, जिसका भारी विरोध होनै लगा। यह विरोध दोनों प्रकार से था-अहिसंक और क्राँतिकारी आँदोलन। शरत बाबू छात्र जीवन में थे और बंगाल विभाजन विरोधी आँदोलन से शामिल हुये। इसके साथ ही वे काँग्रेस से जुड़ गये।

1909 में उन्होंने कोलकाता के प्रेसिडेंसी कॉलेज से एमए किया और इसी वर्ष काँग्रेस की विधिवत सदस्यता भी ली। लगभग दो वर्ष कलकत्ता रहे और 1911 में वकालत पढ़ने लंदन चले गये। 1914 में बैरिस्टर बन कर भारत लौट आये। कलकत्ता लौट कर वकालत के साथ सामाजिक जीवन में भी सक्रिय हुये। वे कई बार कलकत्ता नगर निगम के एल्डरमैन बने और बंगाल विधान परिषद के सदस्य भी रहे। वे अंग्रेजों द्वारा भारतीयों के अपमान के विरुद्ध थे और प्रयास करते थे कि भारतीयों को वही नागरिक सम्मान मिले जो अंग्रेजों का था। वे गुप्त रूप से क्रांतिकारियों की सहायता करने लगे। उनकी ओर से अदालत में पैरवी भी की गई। इसके साथ वे भारतीय परिवारों के आंतरिक जीवन में अपनी परंपराओं के समर्थक थे लेकिन खुल कर सामने आये 1930 में। तब देश में सविनय अवज्ञा आंदोलन आरंभ हुआ। शरत जी अपनी प्रैक्ट्रिस और अन्य सभी दायित्व त्याग कर आँदोलन में शामिल हो गये। सविनय अवज्ञा आंदोलन में शामिल होने के कारण 1932 में वे गिरफ्तार हुये और उनहें तीन साल का कारावास मिला।

जेल से निकलने के बाद अंग्रेजों से भारत की मुक्ति के लिये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तैयारी आरंभ की। शरत जी फारवर्ड ब्लॉक से जुड़े और अनेक विदेश यात्राएँ कीं। वे भारत के बाहर अंग्रेजों के विरुद्ध विश्व जनमत बनाना चाहते थे। जापान और जर्मनी की राजशक्ति को भारतीय क्राँतिकारियों से जोड़ने में शरत जी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने ही नेताजी सुभाषचन्द्र बोस को आजाद हिन्द फौज का नेतृत्व संभालने के लिये न केवल प्रेरित किया अपितु गुप्त रूप से सैन्य भर्ती अभियान भी चलाया। 11 दिसंबर 1941 को उन्हें घर में नजरबंद कर दिया गया। यह नजरबंदी उनकी अकेले की नहीं थी। नेताजी सुभाषचन्द्र बोस को भी उनके साथ नजरबंद किया गया था। उन्होंने सुभाष बाबू को वेष बदलकर और शरीर पर भूरा लेप लगाकर नजरबंदी से निकाल दिया था। यह शरत बाबू की ही युक्ति थी जिससे सुभाष चंद्र बोस सुरक्षित निकल सके और आजाद हिन्द फौज का काम आगे बढ़ सका। वे चार वर्षों तक अपने ही घर में नजरबंद रहे। नजरबंदी हटी तो पुनः कांग्रेस में सक्रिय हो गये।

1945 के बाद भारत से अंग्रेजों की विदाई और भारत विभाजन की भूमिका बनने लगी। वे संविधान सभा के सदस्य बने लेकिन उन्हें जल्दी ही संविधान सभा को छोड़ना पड़ा। शरत जी चाहते थे कि भारत का संविधान अंग्रेजी मानसिकता से मुक्त रहे और पूर्णतया भारतीय बने। इसी बिन्दु पर उनके काँग्रेस और अन्य सदस्यों से मतभेद हुये और शरत जी ने संविधान सभा से त्यागपत्र दे दिया। काँग्रेस और तत्कालीन राजनेताओं से उनके मतभेद केवल संविधान के प्रारूप को लेकर ही नहीं हुये, वे भारत विभाजन के विरुद्ध थे।

उन्होंने भारत विभाजन का खुलकर विरोध किया। विभाजन के विरुद्ध बंगाल का जनमत तैयार करने के लिये सभायें कीं। लेकिन उस समय बंगाल का वातावरण कुछ ऐसा था जिसमें किसी को किसी बात समझ न आ रही थी। सबको अपनी जानमाल की पड़ी थी।

शरत जी चाहते थे कि काँग्रेस, मुस्लिम लीग और अँग्रेजों की मिलीभगत में साथ न दे और भारत विभाजन का विरोध करे लेकिन पाकिस्तान की माँग को लेकर मुस्लिम लीग द्वारा अगस्त 1946 से चलाये गये डायरेक्ट एक्शन से भारी हिंसा होने लगी और भारत विभाजन के लिये काँग्रेस ने सहमति दे दी। इससे असंतुष्ट होकर शरत जी ने जनवरी 1947 में काँग्रेस से त्यागपत्र दे दिया और फरवरी 1947 से माउंटबेटन की भारत विभाजन योजना के विरुद्ध अभियान छेड़ दिया। वे चाहते थे कि बंगाल संयुक्त रहे।

इसके लिये उन्होंने समाचार पत्र निकाल कर जनजागरण भी करना चाहा। लेकिन बंगाल में मुस्लिम लीग की हिंसक आँधी चल रही थी। हजारों लोगों के प्राण गये। लाखों बेघर हुये। शरत जी का अखंड बंगाल सपना टूट गया। रक्त की मानों नदी बह गई और बंगाल विभाजन के साथ भारत भी विभाजित हो गया। इस विभाजन से आहत शरत जी ने स्वयं को सार्वजनिक जीवन से अलग कर लिया और पूरी तरह लेखन को समर्पित हो गये। शरत जी 20 फरवरी 1950 को देह त्याग कर परम ज्योति में विलीन हो गये। बाद में उनके भाषणों और लेखन का संग्रह प्रकाशित हुये जिनमें "बंधन की महिमा" संग्रह सर्वाधिक लोकप्रिय हुआ।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ट्रक ने मोटरसाईकिल में मारी टक्कर, छात्रा की मौत

मेरठ, 05 सितम्बर (हि.स.)। परतापुर थाना क्षेत्र के गगोल रोड पर अछरोंडा मोड के निकट तेज गति से जा रहे ट्रक ने एक मोटरसाईकिल में टक्कर मार दी। इस टक्कर से मोटरसाईकिल पर बैठी छात्रा की मौत हो गई, जबकि उसका ममेरा भाई घायल हो गया। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने जमकर हंगामा किया।

हाथरस निवासी छात्रा नेहा मेरठ में शताब्दीनगर में अपने मामा सुरेश के यहां रहती थी और वनस्थली स्कूल में कक्षा नौ की छात्रा थी। गुरुवार को नेहा अपने ममेरे भाई के साथ मोटरसाईकिल से स्कूल जा रही थी। जब मोटरसाईकिल गगोल रोड स्थित अछरोंडा मोड़ पर पीर के निकट पहुंची, तभी एक तेज गति से जा रहे ट्रक ने मोटरसाईकिल में जोरदार टक्कर मार दी। इस टक्कर से नीचे गिरने से छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका ममेरा भाई गम्भीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल हो अस्पताल में भर्ती कराया और परिजनों को दुर्घटना की जानकारी दी। दुर्घटना के बाद चालक ट्रक को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। मौके पर पहुंचे परिजनों ने आरोपित चालक को पकड़ने की मांग को लेकर हंगामा किया। पुलिस ने उन्हें शांत करके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया है।

प्रधान के खौफ से पलायन कर गया परिवार, मुख्यमंत्री से मिला पीड़ित

बागपत, 5 सितंबर (हि.स.)। बागपत जिले के पलड़ा गांव में प्रधान की दबंगई से एक परिवार पलायन कर गया है। 20 दिन पूर्व प्रधान पक्ष के 20 लोगों ने परिवार को अवैध हथियारों से फायर और लाठी डंडों से हमला किया था जिसमें दोघट पुलिस ने प्रधान पक्ष लेते हुए पीड़ित को ही गांव छोडने पर मजबूर कर दिया। पीडित ने शिकायत मुख्यमंत्री से लखनउ में लगायी है।

पलड़ा गांव निवासी साहिल पुत्र यामीन ने मुख्यमंत्री को शिकायत दी है। आरोप है कि ग्राम प्रधान ने करीब 20 आदमियों के साथ 3 जुलाई को धारदार हथियार और तमंचे से उनके चाचा जामीन के परिवार पर हमला किया था जिसमे उनको गम्भीर चोट आई, मामले में पुलिस ने प्रधान रहीसू का पक्ष लिया और जामीन के रिस्तेदारो तक पर मुकदमें कायम कर दिये। दोनो पक्षों पर पुलिस की कारवाई हुई है। लेकिन प्रधान पक्ष के सभी आरोपी जमानत पर छूट गए है जिन्होंने गांव छोड़ने की धमकी दी। धमकी से खौफजदा जामीन के परिवार ने गांव छोड़ दिया है। पीड़ित जामीन का परिवार सामान सहित घर खाली करके पंजाब चला गया है। जिसकी शिकायत मुख्यमंत्री योगी अदित्यानाथ से लखनउ में की गयी है।

मेरठ की मवाना तहसील में किसान ने किया आत्मदाह का प्रयास

मेरठ, 05 सितम्बर (हि.स.)। खेती की जमीन का दाखिल खारिज नहीं होने से परेशान दरियापुर गांव के किसान ने गुरुवार को मवाना तहसील में पेट्रोल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। किसी तरह से पुलिसकर्मियों और लोगों ने उससे पेट्रोल की केन छीनकर उसे बचाया। पुलिस उसे अपने साथ लेकर चली गई।

दरियापुर गांव निवासी किसान इलम सिंह गुरुवार को अपने हाथ में पेट्रोल की केन लेकर मवाना तहसील पहुंचा। एसडीएम कार्यालय के सामने पेट्रोल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया।

इसी बीच वहां पर उपस्थित न्यायिक मजिस्ट्रेट जितेंद्र सिंह, लोगों और पुलिसकर्मियों ने उसे देख लिया। इन सभी ने दौड़कर किसान के हाथों से पेट्रोल की कैन छीनकर उसे बचा लिया। किसान ने रोते हुए बताया कि मेरी जमीन का बैनामा हो चुका है, लेकिन तहसील प्रशासन एक साल से मेरी जमीन के दाखिल खारिज का काम अटकाए हुआ था। जमीन के दाखिल खारिज करने के नाम पर उससे रिश्वत मांगी जा रही है।

एक साल से मैं भटक रहा हूं, क्योंकि मैं भ्रष्टाचार के लिए घूस नहीं दे रहा। अब वह जिलाधिकारी के यहां शिकायत करेगा। इसी बीच थाना पुलिस किसान को मोटरसाईकिल पर बैठाकर अपने साथ ले गई। मेरठ दौरे पर आए जनपद के प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह से जब इस बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि किसान इलम सिंह के मामले में जो भी दोषी होंगे उन पर एक्शन लिया जाएगा।

एसडीएम मवाना अंकित कुमार के अनुसार, जिस जमीन की बात इलम सिंह कर रहे हैं वो जमीन इलम सिंह के सगे भाई तेज सिंह की है; उसका दाखिल खारिज कराने की प्रक्रिया चल रही है।

मैंने 14 अगस्त को इलम सिंह के पक्ष में आदेश कर दिया था। पोर्टल में कुछ तकनीकी के कारण कार्य में देरी हो रही थी। एसडीएम के अनुसार, इलम सिंह शराब पीकर यहां हंगामा करने आए थे।

पुलिस उनको ले गई है उनका मेडिकल कराया जा रहा है।

तहसील परिसर में लगे सीसीटीवी में उसकी जांच की जा रही है किसके कहने पर इलम सिंह ने ऐसा कदम उठाया। उसकी जांच करा रहे हैं।

सीएम योगी का पोषण मंत्र-बच्चों की सेहत सुधरेगी तो पीढ़ी संवरेगी

लखनऊ, 04 सितंबर (हि. स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लोकभवन में राष्ट्रीय पोषण माह की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम में शामिल लोगों को पोषण का मंत्र देते हुए कहा कि बच्चों की सेहत सुधरेगी तो पीढ़ी संवरेगी। सीएम योगी ने कहा कि कुपोषित बच्चा समाज के सामने एक चुनौती है। स्वास्थ्य समाज और सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए हमें जाति, मत और मजहब से ऊपर उठकर एक-एक बच्चे पर ध्यान देना पड़ेगा। तभी हम 2047 तक भारत को विकसित बना पाएंगे। इसके लिए हमें अभी से मेहनत करनी पड़ेगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना साकार होने का मतलब हर चेहरे पर खुशहाली है।

कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि जिस तरह से द्वापर युग में माता यशोदा ने भगवान श्रीकृष्ण का लालन-पालन किया था। उसी तरह से आज के समय में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं की भूमिका भी है, उन्हें मां यशोदा की तरह बच्चों का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी बहनें उद्धरण के माध्यम से तीन से पांच वर्ष के बच्चों को शिक्षित करें तो बच्चे तेजी से सीखेंगे। सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्रीय पोषण माह का यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत की मुहिम को और मजबूती प्रदान करेगा। अगर हमारे प्रदेश के बच्चे सुपोषित होंगे तो भारत समृद्ध होगा। अगर प्रदेश के बच्चे स्वास्थ्य की दृष्टि से विकसित होंगे तो भारत विकसित होगा।

सीएम योगी ने बिना नाम लिए विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान कुछ लोग विदेश भाग गए थे तो कुछ लोग छुट्टी मनाने निकल गए थे। उन्होंने कहा कि कोरोना के दौरान प्रदेश की आंगनबाड़ी बहनें, आशा बहुओं और एनएम जब कदम से कदम मिलाकर कार्य किया तो उत्तर प्रदेश कोरोना प्रबंधन का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया। अपनी सरकार की उपलब्धियों के विषय में बताते हुए सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने पिछले साढ़े सात वर्ष में उत्तर प्रदेश में 18000 से ज्यादा आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कराया गया है। बाकी बचे केंद्रों का हम एक साथ निर्माण कराने जा रहे हैं।

नियंत्रण में आया इंसेफेलाइटिस

सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले इसी सीजन में 1 से 15 वर्ष की उम्र के हजारों की संख्या में बच्चे इंसेफेलाइटिस की चपेट में आते थे। उनमें से 60 प्रतिशत बच्चों की मृत्यु हो जाती थी। उनमें से 40 फीसदी बच्चे शारीरिक और मानसिक दिव्यांगता के शिकार हो जाते थे। उन्होंने कहा कि चालीस वर्षों में प्रदेश में इंसेफेलाइटिस से 50 हजार से ज्यादा बच्चों की मौतें हुईं। उन बच्चों की मौत की अपराधी पूर्ववर्ती सरकारें हैं। आज अंतर्विभागीय समन्वय के माध्यम से उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस जैसी गंभीर बीमारी पूरी तरह से समाप्त हो गई है। ये डबल इंजन की सरकार के बेहतरीन प्रबंधन का परिणाम है।

शिशु मृत्यु दर में आई गिरावट

सुपोषित भारत के सपने को साकार करने के लिए सीएम योगी के नेतृत्व में जारी जनअभियान के तहत उत्तर प्रदेश में कुपोषण की दर में विगत साढ़े सात वर्ष में काफी गिरावट आई है। नेशनल फैमली हेल्थ सर्वे के अनुसार 2015-2016 की तुलना में वर्ष 2019-2020 में उत्तर प्रदेश में एनीमिया के स्तर में 5.1, स्टंटिंग 6.6, अल्प वजन में 7.4 और सूखापन में 0.6 गिरावट आई है। वहीं आज प्रदेश में शिशु मृत्यु दर प्रति हजार 61 से घटकर 38 और मातृ मृत्यु दर प्रति लाख 201 से घटकर 167 हो गई है।

तीन बच्चों का हुआ अन्नप्राशन कार्यक्रम में सीएम योगी ने तीन गर्भवती महिलाओं को पोषित आहार और उपहार भेंट किया। पोषित आहार पाने वाली महिलाओं में कल्पना, मोनिका और खुशनुमा शामिल थीं। इसके अलावा सीएम योगी ने तीन बच्चों नैतिक, विवांश और आयुषी का अन्नप्राशन कराया। इसके तहत सीएम योगी ने बच्चों के मस्तक पर टीका लगाकर लाड एवं दुलार भी किया। इसके अलावा उन्होंने कुपोषित श्रेणी से सुपोषित श्रेणी में आए बच्चों के अभिभावकों, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं आंगनबाड़ी सहायिकाओं को सम्मानित भी किया।

63 प्रतिशत सैम बच्चों के पोषण में हुआ सुधार

संभव अभियान के तहत 1.9 लाख आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का प्रशिक्षण किया जा चुका है। 2023 में लगभग ढाई लाख सैम बच्चों की पहचान की गई। इसमें से 63 प्रतिशत बच्चों के पोषण में सुधार हुआ। 2024 में अब तक 1.8 लाख सैम बच्चों की पहचान की गई। इनमें से 56 प्रतिशत बच्चों के स्वास्थ्य की जांच एवं उनका उपचार किया गया। गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच को पोषण ऐप पर अंकित करने की माप दक्षता जून में 6 से 35 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

555 आंगनबाड़ी भवनों का किया लोकार्पण

कार्यक्रम में सीएम योगी ने 66 करोड़ रुपए से 45 जनपदों के 555 आंगनबाड़ी भवनों का लोकार्पण किया। साथ ही हॉट कुक्ड मील योजना से संबंधित 'बाल भोग' पोर्टल का शुभारंभ किया। इसके अलावा कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के बैंक खातों में 8.78 करोड़ रुपए बीमा प्रीमियम का अंतरण किया गया। साथ ही उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं की यूनिफॉर्म के लिए 29 करोड़ का अंतरण भी किया।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार बेबी रानी मौर्य, महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार की राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

मुख्यमंत्री योगी ने रामलला के श्रीचरणों में झुकाया शीश, हनुमानगढ़ी में भी लगाई हाजिरी

-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अयोध्या में एक दिवसीय दौरे के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों में लिया हिस्सा

-पूजन-अर्चन के साथ ही आमजन का किया अभिवादन, जनप्रतिनिधियों व भाजपा नेताओं ने किया सीएम का स्वागत

-30 दिन की अवधि के भीतर दूसरी बार मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ अयोध्या में रहे उपस्थित

अयोध्या, 5 सितंबर (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को अयोध्या के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। यहां महापौर, विधायक समेत जनप्रतिनिधियों व भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री गुरुवार सुबह सबसे पहले रामकथा पार्क पहुंचे। य़हां से मुख्यमंत्री सीधे रामसेवकपुरम कार्यशाला में नव स्थापित श्री रामनाथस्वामी मंदिर में आयोजित भव्य महाकुंभाभिषेकम् व प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में सम्मिलित हुए। उसके बाद कारसेवकपुरम में भारतात्मा अशोक जी सिंघल वेद पुरस्कार-2024 का वितरण समारोह भाग उन्होंने भाग लिया।

आमजन का अभिवादन किया स्वीकार

कारसेवकपुरम में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होने के बाद मुख्यमंत्री योगी सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां संकटमोचन हनुमान के दरबार में हाजिरी लगाई। मुख्यमंत्री ने यहां दर्शन-पूजन के उपरांत आमजन का अभिवादन स्वीकार किया। इसके बाद मुख्यमंत्री श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचे और श्रीरामलला के चरणों में शीश झुकाया। मुख्यमंत्री ने यहां विधिवत दर्शन-पूजन भी किया।

6 अगस्त को लिया था समीक्षा बैठक में हिस्सा

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गुरुवार को हुए दौरे से पूर्व 6 अगस्त को भी अयोध्या में उपस्थित रहे। इस दौरान भी उन्होंने श्रीरामलला व संकटमोचन हनुमान के चरणों में हाजिरी लगाई थी। इसके साथ ही, 6 अगस्त को उन्होंने अयोध्या में चले रहे विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की थी। उन्होंने विभिन्न विकास व निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण भी किया था।

आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से किसानों को सशक्त बना रही योगी सरकार

लखनऊ, 5 सितंबर (हि. स.)। किसानों की आय में वृद्धि के साथ-साथ उनकी कृषि संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए योगी सरकार अनेक कदम उठा रही है। इसी क्रम में योगी सरकार ने गुरुवार को इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन (आईएफसी) के सहयोग से और यूरोपीय यूनियन के अउरक्कर कार्यक्रम एवं गूगल के साथ साझेदारी में, एग-टेक स्टार्ट-अप शिखर सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य कृषि को आधुनिक बनाने वाली पहलों का प्रदर्शन करना और राज्य में कृषि के भविष्य पर चर्चा करना है।

उल्लेखनीय है कि एग-टेक स्टार्ट-अप समिट एक ऐसा मंच प्रदान करता है जिसमें देश भर के 25 से अधिक एग टेक्स, नीति निमार्ता, निवेशक, शिक्षा जगत के प्रतिनिधि और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों जैसे पारिस्थितिकी तंत्र निमार्ताओं के साथ मिलकर, कृषि आय और स्थिरता को बढ़ाने के लिए अनुकूलित प्रौद्योगिकियों और समाधानों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

किसानों की समस्या का होगा समाधान

होटल ताज में आयोजित एगटेक स्टार्ट-अप शिखर सम्मेलन-2024 में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने विजन डॉक्यूमेंट फॉर एगटेक का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सिर्फ भारत के लिए ही नहीं, बल्कि दुनिया के लिए कृषि का पावर हाउस है। कृषि को प्रभावित करने वाली दो महत्वपूर्ण चीजें हैं, वेदर और प्राइसिंग। इन दोनों से किसानों और कृषि को निजात दिलाने के लिए आईएफसी और वर्ल्ड बैंक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस युग में टेक्नोलॉजी और डिजिटल तकनीक का उपयोग बहुत महत्वपूर्ण है। कृषि विभाग और उत्तर प्रदेश सरकार ने विगत कुछ वर्षों से इस इनीशिएटिव को आगे बढ़ाया है। इसमें किसानों के जीवन के साथ-साथ कृषि में सकारात्मक बदलाव करने की क्षमता है। एगटेक इसमें मददगार होगा। यह किसानों की तमाम तरह की समस्याओं का समाधान करेगा, जैसे किसानों को कम पैसे में पूरा क्रेडिट मिल जाए। प्रत्येक किसान को उसके उत्पादन की अधिक से अधिक कीमत मिले।

प्राइवेट सेक्टर के साथ साझेदारी पर फोकस

इस दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त मोनिका गर्ग ने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप किसानों की आय को दोगुना करने का प्रयास कर रही है। इस क्रम में उत्तर प्रदेश पहले ही एग्रीस्टैक के साथ डिजिटल कृषि के क्षेत्र में प्रवेश कर चुका है। भारत सरकार ने डिजिटल कृषि को लेकर सॉइल हेल्थ टेस्टिंग समेत कई प्रस्तावों की घोषणा की है। इसको देखते हुए हम प्राइवेट सेक्टर के साथ और अधिक साझेदारी पर फोकस कर रहे हैं। आईएफसी की कंट्री मैनेजर भारत एवं मालदीव वेंडी वर्नर ने कहा कि उत्तर प्रदेश एग्रीकल्चर के क्षेत्र में काफी अच्छा कर रहा है और इसमें काफी पोटेंशियल है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए यूपी में एक साथ काम कर रहे हैं कि प्राइवेट सेक्टर इनोवेटिव सॉल्यूशंस का एक महत्वपूर्ण माध्यम हो सकता है।

हमने भारत में करीब 9 बिलियन डॉलर का निवेश किया है। मालूम हो कि सम्मेलन में स्टार्टअप्स की एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें बुआई से लेकर कटाई के बाद के समाधान और नवाचारी बाजार तक पहुंच के समाधान शामिल होंगे।

कानपुर : तालाब में पाया गया घर से गायब युवक का शव

कानपुर, 05 सितम्बर(हि.स.)। सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र के पिपरगवां में गुरुवार को तालाब में घर से गायब युवक का शव पाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि घर से एक दिन पहले गायब हो गया था। इस संबंध में गुमशुदगी का मामला दर्ज करके तलाश की जा रही थी।

सहायक पुलिस आयुक्त घाटमपुर रंजीत कुमार ने बताया कि सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र के पिपरगवां निवासी रमपत उर्फ प्रदीप 18 वर्ष पुत्र प्रताप का शव गुरुवार को गांव में ही स्थित तालाब में उतराता हुआ पाया गया। जिस तालाब में शव पाया गया है उसके ऊपर से हाईटेंशन का तार भी गया हुआ है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मौके पर फॉरेंसिक टीम भी पहुंची है।

उसकी मृत्यु का स्पष्ट कारण न पता लग पाने की वजह से शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पूछताछ के दौरान जानकारी मिली है कि रमपत मानसिक अस्वस्थ था।

कभी-कभी झटके आते थे। उसके गायब होने के संबंध में 4 सितम्बर को उसके परिवार वालों की तहरीर पर स्थानीय थाने में गुमशुदगी दर्ज की गई है। जिसकी जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

लखनऊ-पटना वंदेभारत ट्रेन पर शरारती तत्वों ने फेंका पत्थर, एक कोच के शीशे क्षतिग्रस्त

–आरपीएफ और जीआरपी पुलिस ने मौके पर पहुंच कर छानबीन किया

वाराणसी, 5 सितंबर (हि.स.)। चौकाघाट ढ़ेलवरिया के समीप लखनऊ-पटना वंदेभारत ट्रेन पर पत्थर फेंकने की घटना सामने आई है। शरारती तत्वों के पत्थर फेंकने से वंदेभारत के सी-5 कोच के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए।

पत्थर फेंके जाने से खिड़की के पास बैठे यात्रियों में अफरा–तफरी मच गई। संयोग ही रहा कि पत्थर फेंकने के बावजूद कोई यात्री घायल नही हुआ है।

लखनऊ गोमती नगर से अयोध्या होते हुए 22346 वंदेभारत एक्सप्रेस रात में वाराणसी कैंट स्टेशन पहुंची। निर्धारित समय तक रुकने के बाद ट्रेन गंतव्य के लिए रवाना हुई।

ट्रेन जैसे ही चौकाघाट ढ़ेलवरिया के समीप पहुंची तभी अचानक किसी ने रेलवे लाइन के किनारे से पत्थर उठाकर ट्रेन की बोगी पर फेंक दिया।

इससे सी–5 कोच के शीशे बाहर से क्षतिग्रस्त हो गए। इससे कोच के 10 से 12 नंबर तक की सीट पर बैठे यात्रियों में अफरा–तफरी मच गई। यात्रियों ने रेल मदद 139 नंबर पर शिकायत की।

इसके बाद कोच अटेंडेंट के अलर्ट पर ट्रेन को रोक दिया गया।

बुधवार की रात हुई घटना की जानकारी पाते ही कैंट जीआरपी और आरपीएफ की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और छानबीन किया।

यहां से ट्रेन पीडीडीयू नगर स्टेशन (मुगलसराय) पहुंची तो आरपीएफ के अफसरों ने सी-5 कोच के यात्रियों का बयान लिया।

आरपीएफ की टीम घटनास्थल के आसपास में संदिग्ध लोगों से पूछताछ भी की।

रेलवे लाइन के समीप स्थित झोपड़पट्टी में भी कई लोगों से रेलवे पुलिस के अफसरों ने पूछताछ की, लेकिन आरोपियों की शिनाख्त नही हो पाई।

वाराणसी कैंट जीआरपी के अनुसार बोगी पर पत्थर फेंकने वालों की तलाश की जा रही है।

पीएम आवास योजना ग्रामीण के आगामी चरण को लेकर शीघ्र ही शुरू होगा सर्वेक्षण

कानपुर,05 सितम्बर (हि.स.)। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत आगामी चरण के लिए शासन ने नए मानक तय करते हुए जनपद में गरीबों को आवास उपलब्ध कराने के लिए सर्वेक्षण का कार्य शुरू हो चुका है। सरकार इस योजना को पारदर्शी एवं भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की दिशा में तय किया है कि सर्वेक्षण के कार्य सरकारी कर्मचारी ही करेंगे। यह जानकारी गुरुवार को मुख्य विकास अधिकारी कानपुर दीक्षा जैन ने दी।

उन्होंने बताया कि इस योजना को लेकर जिलाधिकारी एक बैठक कर चुके हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत आगामी चरण (वित्तीय वर्ष 2024-25 से वर्ष 2028-29 तक) में योजना के क्रियान्वयन तथा बहिर्वेशन के मानक में संशोधन के दृष्टिगत पात्र लाभार्थियों के चिन्हीकरण तथा आवास प्लस 2018 की सूची को अद्यतन किए जाने का निर्देश दिया है।

पात्रता एवं अपात्रता एवं चिह्नित करने के मानक को लेकर हुए महत्वपूर्ण

जनपद की समस्त ग्राम पंचायतों में सचिवों के द्वारा बैठक आयोजित कर समस्त ग्रामवासियों एवं जनप्रतिनिधियों को संबंधित मानक एवं सर्वेक्षण के संबंध में

विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। सर्वेक्षणकर्ता के रूप में ग्राम पंचायत सचिवों को ही नियुक्त करने का निर्णय हुआ है। पात्रता एवं अपात्रता के मानकों की ग्राम पंचायत में सार्वजनिक स्थल पर जनसामान्य की जानकारी के लिए वाल राइटिंग कराया जाएगा।

विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त शिकायतों में जो भी लाभार्थी पात्र पाए गए है और उन्हें इस प्रकार का आश्वासन दिया गया है कि जब भविष्य में सर्वे पुनः प्रारंभ होगा तब उन्हें आवास आवंटित किया जाएगा, को इस सर्वे में अनिवार्य रूप से सम्मिलित किया जाएगा। छूटे हुए पात्र लाभार्थियों को सर्वेक्षण मे सम्मिलित करने का उत्तरदायित्व संबंधित ग्राम पंचायत सचिव का होगा। उन्होंने बताया कि आश्रयविहीन परिवार,बेसहारा भीख मांगकर जीवन यापन करने वाले, हाथ से मैला ढोने वाले, आदिम जनजातीय समूह, वैधानिक रूप से मुक्त कराये गये बंधुआ मजदूर को शामिल किया जाएगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना में ऐसे लोग अपात्र माने जाएंगे जिनके पास मोटर चालित तीन, चार पहिया वाहन हैं और इसके साथ ही 50000 रुपये अथवा इससे अधिक की क्रेडिट सीमा वाला किसान क्रेडिट कार्ड, वे परिवार जिनके परिवार में सरकारी कर्मचारी हैं।आवेदनकर्ता अथवा परिवार का कोई सदस्य गैर कृषि उद्यमों में सरकार द्वारा पंजीकृत हों। वे परिवार जिनका कोई सदस्य 15000 रुपये से अधिक प्रतिमाह कमा रहा हों। आयकर देने वाले परिवार, व्यवसाय कर देने वाले परिवार, वे परिवार जिनके पास 2.5 एकड़ या इससे अधिक सिंचित भूमि हो। वे परिवार जिनके पास 5 एकड़ या इससे अधिक असिंचित भूमि हो, वह अपने आप इस योजना से बाहर कर दिए जाएंगे।

69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने घेरा मंत्री ओमप्रकाश राजभर का आवास

लखनऊ, 05 सितंबर (हि.स.)। हाई कोर्ट डबल बेंच का आदेश आने के बाद से लगातार 69000 शिक्षक भर्ती

के अंतर्गत नियुक्ति की मांग को लेकर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी आंदोलनरत हैं। यह सभी अभ्यर्थी लगातार एक के बाद एक मंत्री, नेता के आवसों का घेराव कर रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर के आवास का घेराव किया। यहां बड़ी संख्या में पहुंचे अभ्यार्थी जोरदार नारेबाजी करते हुए हाई कोर्ट डबल बेंच के फैसले का पालन करने व नियुक्ति दिए जाने की मांग की।

ओमप्रकाश राजभर के आवास के बाहर लगभग एक घंटे तक नारेबाजी अभ्यर्थी करते रहे। इसपर मंत्री ओमप्रकाश राजभर अपने आवास के बाहर आकर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने अभ्यर्थियों को आश्वासन देते हुए कहा कि सरकार इस मामले का हल निकालने के लिए प्रयासरत है।

आंदोलन व धरना प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र पटेल ने कहा कि हम ओबीसी और एससी वर्ग के नेताओं और मंत्रियों के आवास का घेराव इसलिए भी कर रहे हैं कि वह मुख्यमंत्री योगी जी से मुलाकात कर इस मामले का समाधान कराये। हम सभी अभ्यर्थी पिछले 4 साल से सड़कों पर भटक रहे हैं अब कोर्ट का फैसला आया है तो इसका पालन किया जाना चाहिए।

अमरेंद्र पटेल ने बताया कि वर्ष 2018 में यह भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई थी। जब इसका परिणाम आया तो इसमें व्यापक स्तर पर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ अन्याय किया गया और उन्हें नौकरी देने से वंचित कर दिया गया। एक लंबे आंदोलन और न्यायिक प्रक्रिया से गुजरने के बाद बीते 13 अगस्त 2024 को लखनऊ हाई कोर्ट के डबल बेंच ने हम आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के हित में फैसला सुनाया है और नियमों का पालन करते हुए अभ्यर्थियों को नियुक्ति दिए जाने का आदेश दिया है, लेकिन सरकार इस प्रकरण में हीला-हवाली कर रही है। हम चाहते हैं कि सरकार जल्द से इस प्रकरण का समाधान करें और एक शेड्यूल जारी करके बताएं कि हम पीड़ितों की नियुक्ति कब की जा रही है।

पटेल ने कहा कि, कोर्ट ने 69000 शिक्षक भर्ती मूल चयन सूची रद्द करते हुए सरकार को तीन महीने के अंदर आरक्षण नियमों का पालन करते हुए नई सूची जारी करने का आदेश दिया है। लेकिन सरकार ने अभी तक कोई काम शुरू नहीं किया है केवल एक मीटिंग की है।

हमारी मांग है कि सरकार हमारी चयन संबंधित प्रकिया का कार्यक्रम शेड्यूल जारी कर दे।

अयोध्या धाम में मुख्यमंत्री योगी ने की गौसेवा, पौधरोपण से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अयोध्या के एक दिवसीय दौरे में व्यस्त कार्यक्रम के बीच गौसेवा और पौधरोपण के लिए भी निकाला समय

-श्रीराम गौशाला समिति की कारसेवकपुरम स्थित गौशाला में पहुंचकर मुख्यमंत्री योगी ने की गौसेवा

-कारसेवकपुरम कैंपस में ही पौधरोपण कर मुख्यमंत्री योगी ने पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

अयोध्या, 5 सितंबर (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को अयोध्या के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। यहां विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के साथ ही मुख्यमंत्री योगी ने गौसेवा और पौधरोपण के लिए भी वक्त निकाला।

अपने व्यस्त कार्यक्रम के बीच भी मुख्यमंत्री योगी ने कारसेवकपुरम परिक्रमा मार्ग पर स्थित श्रीराम गौशाला समिति की गौशाला में गौसेवा की। उन्होंने यहां गायों को पुचकारा और उन्हें अपने हाथों से चारा खिलाया। इसके उपरांत उन्होंने कारसेवकपुरम कैंपस में ही पौधरोपण करके पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी के विजन अनुसार राज्य सरकार द्वारा गौ संरक्षण के साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण के विभिन्न कार्यक्रम संचालित हैं। इनको लेकर जागरूकता प्रसार के लिए भी कई प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं।

वैसे, मुख्यमंत्री योगी खुद भी इन कार्यक्रमों में रुचि लेते हैं और समाज के सामने उदाहरण प्रस्तुत करने का कार्य करते हैं।

एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प को समृद्ध करने का मार्ग प्रशस्त करेगा राम नाथ स्वामी मंदिर : योगी आदित्यनाथ

अयोध्या, 5 सितंबर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने अयोध्या दौरे की शुरूआत राम नाथ स्वामी

मंदिर में आयोजित महाकुंभाभिषेक व प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लेकर रामसेवक पुरम पत्थर कार्यशाला से की। कार्यशाला में स्थापित इस दक्षिण भारतीय शैली के मंदिर में नवस्थापित महादेव के शिवलिंग का पूजन व अर्चन करने के साथ मुख्यमंत्री योगी ने प्रदक्षिणा भी की।

इस अवसर पर आयोजित सभा के मंच से मुख्यमंत्री योगी ने रामनाथ स्वामी मंदिर की स्थापना को एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प को समृद्ध करने वाला प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि रामस्वामी का कार्यशाला में विराजमान होना अत्यंत आनंद का क्षण है। उन्होंने कहा कि अयोध्या धाम और तमिलनाडु का विशेष रिश्ता है। ये हजारों वर्षों की परंपरा है। हजारों वर्ष पहले मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जब श्रीलंका में माता सीता की खोज के लिए निकले थे तो तमिलनाडु के रामेश्वरम में सेतु बंधन के पश्चात अपने आराध्य भगवान शिव की अराधना की थी। सीएम योगी ने कहा कि संपूर्ण भारत एक है, इस संकल्प के साथ आध्यात्मिक चेतना बढ़ रही है। मौजूदा प्रयास भी इसमें एक कड़ी है।

उन्होंने कहा कि हम एक भारत श्रेष्ठ भारत के पीएम मोदी के कार्यक्रम को ही आगे बढ़ा रहे हैं जो यहां भी देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भारत उत्तर से लेकर दक्षिण तक पूरब से लेकर पश्चिम तक एक रहा है। हमारे शास्त्र व धर्मस्थल इस बात के प्रमाण हैं। सरकारें अलग अलग रही हों मगर भारत के संतों की परंपरा ने मजबूती प्रदान की है।

काशी तमिल संगमम का दिया उदाहरण

मुख्यमंत्री योगी वाराणसी में आयोजित होने वाले काशी तमिल संगमम का उदाहरण देते हुए कहा कि काशी में तमिल संगमम के दो संस्करण पूर्ण हो चुके हैं। काशी के बाद आज अय्या जी के कारण अयोध्या धाम भी तमिलनाडु से जुड़ चुका है। उन्होंने आगे कहा कि एक ओर आरएसएस व विश्व हिंदू परिषद द्वारा राष्ट्र जोड़ने का कार्य हो रहा है। वहीं कुछ लोग ओछी राजनीति के लिए देश को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में, मंदिर स्थापना का यह कार्यक्रम एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को प्रशस्त करता है। अय्या जी ने भारत की एकात्मता के लिए वही कार्य कर रहे हैं जो तमिलनाडु से निकले एक संन्यासी ने सैकड़ों वर्षों पहले पूरे सनातन धर्म को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया था।

सबसे आध्यात्मिक व संदुरतम नगरी के तौर पर स्थापित होगी अयोध्या : मुख्यमंत्री योगी

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अब प्रभु श्रीराम का पूरा भव्य मंदिर बनने में ज्यादा देर नहीं होने वाली है। मंदिर निर्माण को पूर्ण करने के सभी कार्य तीव्र गति से जारी है जिसके लिए मंदिर ट्रस्ट के चंपत राय, गोपाल राय व अन्य पदाधिकारी बधाई के पात्र हैं।

उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को पीएम मोदी द्वारा हुए प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में समाज का पूरा नेतृत्व वर्ग अयोध्या धाम में था। अयोध्या धाम में पांच सदी के बाद विराजमान हुए राम लला का करोड़ों श्रद्धालुओं ने दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया है। सीएम योगी ने जोर देकर कहा कि मेरा मानना है कि अयोध्या धाम एक नई गति के साथ दुनिया की सबसे आध्यात्मिक और सुंदरतम नगरी के रूप में स्थापित होकर पूरे सनातन धर्मावलंबियों के लिए एक नई प्रेरणा और प्रकाश का केंद्र बिंदु बनकर उभरेगा। वहीं, इस अवसर पर आरएसएस के पूर्व सर कार्यवाह सुरेश भैयाजी जोशी ने कहा कि दक्षिण भारतीय शैली के इस मंदिर की स्थापना ने उत्तर और दक्षिण को जोड़ने का काम किया है जिसका माध्यम भगवान शिव व प्रभु श्रीराम बने हैं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सर कार्य भय्याजी जोशी के अतिरिक्त कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, सिपरिचुअल सेंट अय्या जी, अयोध्या के महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, श्री मणि राम दास क्षावनी महंत कमल नयन दास, रंग महल महन्त राम शरण दास, बड़े भक्तमाल महंत अवधेश दास, जगत गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य, उदासीन आश्रम महंत डॉ भरत दास व तमिलनाडु से आए संत, स्थानीय जनप्रतिनिधि व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने भय्याजी जोशी को अंगवस्त्र से सम्मानित किया।

बागपत में जिलाधिकारी ने 21 शिक्षकों को किया सम्मानित

बागपत, 5 सितंबर (हि.स.)। पूर्व राष्ट्रपति और महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पर बागपत जिले में 21 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। यह सम्मानित जिलाधिकारी द्वारा शिक्षकों को उनके समर्पण और उत्कृष्ट सेवा के लिए दिया गया।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने अपने संबोधन में शिक्षकों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि शिक्षक न केवल बच्चों को शिक्षा देते हैं, बल्कि उन्हें नैतिक मूल्यों और जीवन के सही रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। समाज को इन शिक्षकों से प्रेरणा लेकर शिक्षा जैसे पवित्र पेशे को पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ करना चाहिए। शिक्षा न केवल विद्यार्थियों के भविष्य को उज्ज्वल बनाती है, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में भी अहम योगदान देती है। मुख्य विकास अधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव और बेसिक शिक्षा अधिकारी गीता चौधरी ने भी शिक्षकों के योगदान की सराहना की कार्यक्रम के अंत में शिक्षकों को प्रमाणपत्र और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान शिक्षकों ने भी अपने अनुभव साझा किए।

मोटराइज्ड दोना मेकिंग मशीन के चयन का आवेदन 10 सितम्बर तक

मीरजापुर, 5 सितम्बर (हि.स.)। उप्र खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा टूलकिट्स वितरण योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में निःशुल्क सेगी मोटराइज्ड दोना मेकिंग मशीन वितरण के चयन के लिएआवेदन पत्र 10 सितंबर तक आमंत्रित किए जाते हैं।

जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अमितेश कुमार सिंह ने बताया कि जनपद में दोना पत्तल बनाने वाले परम्परागत कारीगर एवं इस उद्योग में रूचि रखने वाले पर आनलाईन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र की एक प्रति समस्त प्रपत्रों सहित जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, पथरहिया रोड में जमा कर सकते हैं। उक्त दिनांक के उपरान्त कोई आवेदन पत्र स्वीकार नहीं होगा। आवेदकों का चयन उनके ऑनलाईन भरे गए स्कोर कार्ड के सत्यापन उपरान्त किया जाएगा। आवेदन पत्र में लगने वाले प्रपत्र आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, जाति प्रमाण पत्र, राशन कार्ड अथवा परिवार रजिस्टर, निवास प्रमाण पत्र, बैंक पास बुक इत्यादि हैं।

ट्रक से टकराया डंफर, एक की मौत

जालौन, 5 सितंबर (हि.स.)। कदौरा थाना क्षेत्र के स्टेट हाईवे पर गुरुवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां पर हाईवे पर खड़े ट्रक में पीछे से तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। इस हादसे में डंपर के परखच्चे और केबिन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद ट्रक के केबिन में फंसे ट्रक चालक सहित तीन लोगों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया। इलाज के दौरान एक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पूरा मामला कदौरा थाना क्षेत्र के स्टेट हाईवे सुजानपुर का है। यहां पर तेज रफ्तार डंपर ने हाइवे पर खड़े ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतना जबरदस्त था कि डंपर के परखच्चे उड़ गए। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। इस हादसे में ट्रक के केबिन में चालक समेत तीन लोग फस गए। घंटों की मशक्कत के बाद रेस्क्यू कर केबिन में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। इलाज के लिए उन्हें अस्पताल भेजा गया। जहां डॉक्टर ने एक क्लीनर मोहम्मद अली को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जांच पड़ताल जारी है।

बहराइच के बाद कौशांबी में भेड़िये की दहशत, हमले में तीन घायल

कौशांबी, 05 सितंबर (हि.स.)। जनपद के करारी थाना क्षेत्र के निवारी गांव में ससुर खदेरी नदी के किनारे बुधवार की बीती रात जंगली जानवर ने एक बच्चे समेत तीन लोगों को हमला किया। अलग-अलग स्थानों पर हुए हमले में घायल लोगों को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। ग्रामीणों के मुताबिक, हमला भेड़िया ने किया था। दिन में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में नदी किनारे भेड़िया देखा भी गया। डीएफओ ने कहा कि सूचना के आधार पर वन कर्मियों की टीम भेज कर लोगों को खतरे से आगाह किया जाएगा।

निवारी के पास स्थानीय ससुर खदेरी नदी के किनारे कई मिट्टी के स्थल पर गुफा नुमा खंदक बने हैं। शिवकरन की पत्नी अपने तीन साल के बेटे प्रियांश को लेकर खेत गई थी। शिवकरन के मुताबिक अचानक एक भेड़िया प्रियांश को दबोच कर भागने लगा। पत्नी ने यह देख शोर मचाया तो खेत में काम कर रहे लोग लाठी डंडा लेकर दौड़ पड़े। भीड़ का हाका लगाने पर भेड़िया बेटे प्रियांश को छोड़कर भाग गया।

इसके बाद इसी गांव के रामदास नदी किनारे बकरी चराने गए थे। तभी एक भेड़िये ने रामदास की बकरी पर हमला किया और उसे लेकर भागने लगा। रामदास ने यह देखा और दौड़ा तो भेड़िये ने उस पर भी हमला कर दिया।

इसी तरह मंझनपुर के खोजवापुर गांव निवासी शिवबाबू खेत से घर लौट रहे थे। रास्ते में भेड़िये ने उन पर हमला कर दिया। शिवबाबू के हो-हल्ला मचाने पर खेत में काम कर रहे लोग दौड़ पड़े। तब जाकर उनकी जान बची।

निवारी की केसपति, श्रीमती व बेलपतिया ने बताया कि वह खेत गई थी तो उन्हें तीन भेड़िये नदी के खंदक में दिखाई पड़े थे। भेड़ियों को देखकर वह घर भाग आई थीं। पंडीरी गांव के बीच जंगल में भी खेत में पानी लगाते समय कुछ लोगों ने भेड़िये को दिखा। इलाके के लोग भेड़िये के आतंक से डरे सहमे हैं। रात में भेड़िये के हमले को लेकर ग्रामीण बीती रात अंधेरे में आने जाने वालों की सुरक्षा के लिए लाठी डंडे हाथ में लेकर हल्ला मचाते हुए चल रहे हैं।

डीएफओ आरएस यादव ने बताया कि भेड़िये होने की जानकारी मिली है। टीम बनाकर गांव में वन कर्मियों को भेजा जा रहा है। ग्रामीणों को भेड़िये के हमले व बचाव के संबंध में जागरूक करने का काम किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि इन दिनों उत्तर प्रदेश के बहराइच जनपद में भेड़ियों की दहशत है। यहां एक माह से आदमखोर भेड़ियों के हमले में 10 लोगों की जान जा चुकी है।

कैदियों से मुलाकात के लिए लाइन में लगने की जरूरत नहीं, घर बैठे बनवाएं ई-पास

मुरादाबाद, 05 सितम्बर (हि.स.)। जिला कारागार में बंद कैदियों से मुलाकात करने के लिए लाइन में लगने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अब ऑनलाइन घर बैठे पास बनवा सकते हैं। इस पास से जिला जेल में एंट्री मिल जाएगी। गुरुवार को मुरादाबाद के वरिष्ठ जेल अधीक्षक पीपी सिंह ने बताया है कि हर दिन 200 से 250 कैदियों के परिजन मुलाकात के लिए लंबी लाइन में लगे रहते हैं। उन्होंने कहा कि अब ऑनलाइन एक क्लिक पर बिना फीस के आसानी से ई-पास मिल जाता है, लेकिन 10 से 15 बंदियों के परिजन ही ऑनलाइन पास लेकर जेल पहुंचते हैं।

कानपुर में लगेगी तीन दिवसीय प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत राज्य स्तरीय प्रदर्शनी

कानपुर, 05 सितम्बर (हि.स.)। तीन दिवसीय प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत राज्य स्तरीय प्रदर्शनी लगेगी। यह प्रदर्शनी 10 से 12 सितम्बर तक एमएसएमई-विकास कार्यालय, 107 औद्योगिक आस्थान, कालपी रोड, फजलगंज, कानपुर-208012 में आयोजित की जाएगी। यह जानकारी गुरुवार को विभाग के सहायक निदेशक अमित बाजपेयी ने दी।

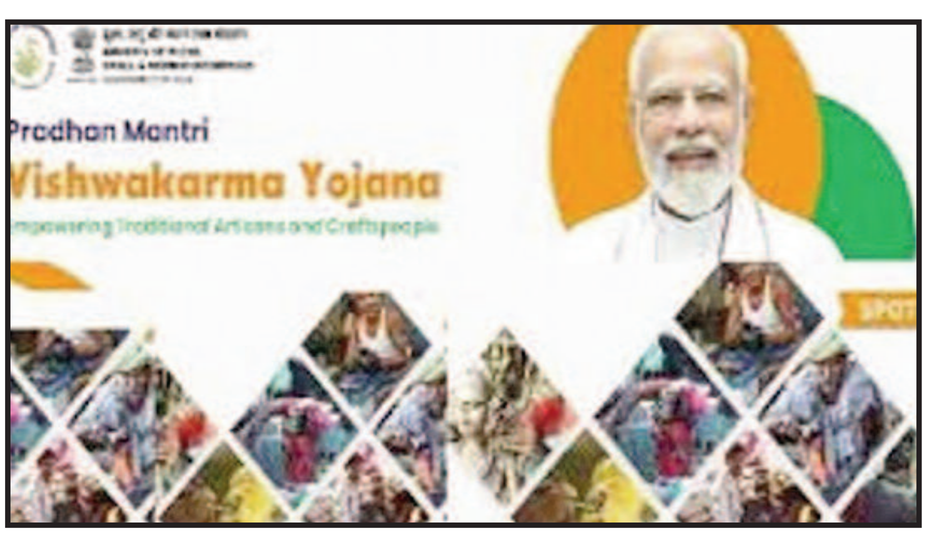

उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी का उद्देश्य इस प्रदर्शनी का उद्देश्य अपने उत्पादों और कौशल को व्यापक स्तर पर दर्शकों के समक्ष प्रदर्शित करना। सम्भावित ग्राहकों और खरीददारों से जुड़ना। साथी लाभार्थियों और उद्यम विशेषज्ञों के साथ सम्पर्क बनाना है, इसके साथ ही अपने उत्पादों और सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रतिक्रिया और मार्गदर्शन प्राप्त करना। इस प्रदर्शनी में लाभार्थी कारीगर बढ़ई, नाव निमार्ता, अस्त्रकार, लोहार, हथौड़ा टूलकिट निमार्ता, ताला बनाने वाला, सुनार, कुम्हार, मूर्तिकार (पत्थर तराशने वाला), मोची (चर्मकार) एवं जूता कारीगर, राजमिस्त्री, टोकरी निमार्ता, गुड़िया और खिलौना निमार्ता, नाई, माला निमार्ता, धोबी, दर्जी, मछली पकड़ने वाला जाल निमार्ता शामिल हो सकते है। आप का उत्पाद प्रदर्शनी में एक बढ़िया योगदान होंगे और योजना के उद्देश्यों को बढ़ावा देने में मदद करेंगे।

जानें कौन हो सकता है शामिल

उन्होंने बताया कि इच्छुक पीएम विश्वकर्मा लाभार्थी जिन्होंने स्टेज-3 तक वेरिफिकेशन पूर्ण कर लिया है तथा जिनके पास पीएम विश्वकर्मा लाभार्थी पहचान पत्र है, वे प्रतिभागी का नाम, पीएम विश्वकर्मा ट्रेड, पता, मोबाइल नम्बर, ईमेल आईडी, उत्पाद (प्रदर्शनी के दौरान प्रदर्शित किये जाने वाले), पीएम विश्वकर्मा आईडी पंजीकरण संख्या, पीएम विश्वकर्मा प्रशिक्षण समापन प्रमाण पत्र संख्या, श्रेणी आदि का उल्लेख करते हुए विवरण के साथ सादा कागज पर लिखकर 7 सितम्बर, 2024 तक व्यक्तिगत और ईमेल आईडी-ट्रीं-‘ल्लस्त्र४१@ूरीं.ड्ड५.ल्ल के माध्यम से जमा कर सकते हैं। प्रदर्शकों का चयन समिति द्वारा किया जायेगा।

प्रदेश के 25 जनपद इस कार्यक्रम में होंगे शामिल

श्री बाजपेयी ने बताया कि अयोध्या, बाराबंकी, शाहजहाँपुर, बस्ती, हमीरपुर, महोबा, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, झांसी, ललितपुर, जालौन, कानपुर नगर, कानपुर देहात, इटावा, औरैया, फरुर्खाबाद, कन्नौज, लखनऊ, रायबरेली, उन्नाव, हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, फतेहपुर के कुल इन 25 जनपदों के पीएम विश्वकर्मा लाभार्थी उपरोक्त प्रदर्शनी-सह-ट्रेड फेयर में प्रतिभाग कर सकेंगे। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा लाभार्थियों के आने-जाने एवं रहने का व्यय भारत सरकार के नियमानुसार कार्यालय द्वारा वहन किया जायेगा। अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें सहायक निदेशक ग्रेड-1 अमित बाजपेयी से मो- 7905390276, 9455185232 और सहायक निदेशक नीरज कुमार का मोबाइल नम्बर-9761839876, 9473734238 है।

सनातन ही दुनिया का एकमात्र धर्म है : मुख्यमंत्री योगी

-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सिंघल भारतात्मा अशोक सिंघल वेद पुरस्कार- 2024 के पुरस्कार वितरण समारोह में हुए शामिल

-बोले -अब हमें अपने अधिकारों की चिंता कम और नागरिक कर्तव्यों के विषय में ज्यादा चिंतन करना होगा

- श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन और अशोक सिंघल एक-दूसरे के थे पूरक

- अयोध्या में प्रभु श्रीरामलला का विराजमान होना गुलामी के अंशों की समाप्ति जैसा

अयोध्या, 5 सितंबर (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हम सबके सामने विकसित भारत का मानचित्र रखा है। इसमें नागरिक कर्तव्य सबसे महत्वपूर्ण

भूमिका निभाएगा। देश और सनातन धर्म के लिए अब हमें अपने अधिकारों की चिंता कम और नागरिक कर्तव्यों के विषय में ज्यादा चिंतन करना होगा। उन्होंने कहा कि सनातन ही दुनिया का एकमात्र धर्म है। सनातन धर्म सुरक्षित एवं समृद्धि के पथ पर अग्रसर रहेगा तो विश्व मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त होगा। अगर सनातन धर्म खतरे में पड़ेगा तो विश्व मानवता का जीवन खतरे में पड़ जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी गुरुवार को अयोध्या में सिंघल फाउंडेशन के बैनर तले आयोजित भारतात्मा अशोक सिंघल वेद पुरस्कार-2024 के पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि अशोक सिंघल ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग की डिग्री ली थी, लेकिन उनका जीवन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के एक प्रचारक के रूप में सनातन धर्म के लिए समर्पित था। सीएम योगी ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन और अशोक सिंघल एक-दूसरे के पूरक थे।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सिंघल जी के पास सोते, जागते, उठते, बैठते सिर्फ एक ही कार्य था, श्रीराम जन्मभूमि की प्राप्ति। उसके लिए वह शांति और क्रांति दोनों मार्गों को अपनाने को आतुर रहते थे। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में उनके योगदान का प्रतिफल है कि 22 जनवरी 2024 के दिन इस सदी की सबसे उत्कृष्ट घटना घटी। इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों से भव्य मंदिर में प्रभु श्रीरामलला विराजमान हुए। साधना जब सच्ची होती है तो परिणाम प्राप्त होता ही है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीरामलला का विराजमान होना गुलामी के अंशों की समाप्ति है, जो अब थमने वाला नहीं है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अछूतोद्धार के लिए अशोक सिंघल जी प्रयास अतुलनीय हैं। उनके द्वारा स्थापित वेद विद्यालय और एकल विद्यालय भी श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन का हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि वेदो अखिलो धर्म मूलम् यानी अखिल विश्व के धर्म का अगर कोई मूल है तो वेद हैं। अशोक सिंघल ने वेदों के इस महत्व को अपने जीवन में अक्षरशः उतारने का कार्य किया था। सीएम योगी ने कहा कि गोरक्षक सुंदर यादव की आजमगढ़ में गोतस्करों ने हत्या कर दी थी। उस हत्या के खिलाफ आंदोलन हुआ था, जिसका अशोक सिंघल नेतृत्व कर रहे थे। इसी का परिणाम रहा कि गोरक्षक सुंदर यादव के हत्यारे जेल गए।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा यानी भारत की प्रतिष्ठा संस्कृत और संस्कृति में हो सकती है। यही भारत की आत्मा है और यही विश्व की आत्मा हो सकती है। उन्होंने कहा कि दुनिया आज शांति, सुरक्षा और सौहार्द के लिए भारत की तरफ आशा भरी निगाहों से देखती है। पूरी दुनिया में आज कोई भी घटना घटित होती है तो दुनिया की निगाह भारत के नेतृत्व की तरफ होती है। सीएम योगी ने कहा कि दुनिया में जब भी शांति, सौहार्द, सुख और समृद्धि की बात होगी तो दुनिया का ध्यान भारत के गुरुकुलों की तरफ जाएगा। भारत ही उसका नेतृत्व करेगा।

इन्हें मिला पुरस्कार

मुख्यमंत्री योगी की मौजूदगी में वेदमूर्ति वयोवृद्ध ब्रह्मर्षि विष्णु पटल सुब्रमण्यम को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड ,आचार्य गोपाल चंद्र मिश्र वैदिक उन्नयन संस्थान, काशी, उत्तर प्रदेश को उत्तम वेद विद्यालय के लिए सात लाख का पुरस्कार, मेडल व प्रमाण पत्र , आदर्श वेदाध्यापक कुलपति आर. चंद्रमौलि श्रौती, तमिलनाडु को पांच लाख का पुरस्कार , मेडल व प्रमाण पत्र, उत्कृष्ट वेद विद्यार्थी नारायण लाल शर्मा राजस्थान को तीन लाख का पुरस्कार, मेडल व प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूर्व सर कार्यवाह भैया जी जोशी, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय, आध्यात्मिक संत आइया जी, सिंघल फाउंडेशन के अध्यक्ष सलिल सिंघल, न्यासी संजय सिंघल, निर्णायक समिति के सदस्य एवं अयोध्या के कई संत मौजूद थे।

भावी पीढ़ी भारतीय संस्कृति की संवाहक बने : राजेंद्र देव

औरैया, 05 सितंबर (हि.स.)। दिबियापुर नगर में स्थिति सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में मातृ भारती, शिशु भारती, कन्या भारती, विद्वत परिषद एवं पूर्व छात्र परिषद संगोष्ठी का गुरुवार को आयोजन किया गया। जिसमें संस्कृति बोध

माला की पुस्तक का विमोचन किया।

कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुशील कुमार तिवारी ने संगोष्ठी में आए हुए अतिथियों का परिचय व अंग वस्त्र एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित कराया। इसके बाद उन्होंने कहा कि अपनी संस्कृति और सनातन परंपरा का प्रचार-प्रसार, जिसमें संयुक्त परिवार को बढ़ावा देना एवं दादा-दादी व बड़ों का सम्मान करना व उनके अनुभवों से लाभ उठाते हुए परिवार चलाना आदि है।

संस्कृति बोधमाला की पुस्तक के विमोचन के बाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री राजेंद्र देव ने कहा कि हमारी भावी पीढ़ी भारतीय संस्कृति की संवाहक बने इसके लिए अपने भारत देश की संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाने के लिए तथा उनके हृदय में इसका गौरव स्थापित करने के लिए कुरुक्षेत्र स्थित "विद्या भारती संस्कृत संस्थान "निरंतर प्रयासरत है। दीर्घकालीन स्वतंत्रता के कारण मानवीय मूल्य में गिरावट दिखाई दे रही है, उसका समूल निराकरण करके भारतीय संस्कृति का यश सर्वत्र फैलाना वर्तमान समय की मांग है। विद्या भारती इस योजना को प्रत्येक भारतीय तक ले जाने के लिए प्रयासरत है।

प्रबन्धक ने कहा कि बालकों के सर्वांगीण विकास में माताओं की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि हमारी शिक्षा ऐसी हो जिससे बालकों में देश के प्रति अपनत्व की एवं राष्ट्रीयता का भाव जागे, क्योंकि आज का बालक ही कल का राष्ट्र निर्माता है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित संभाग निरीक्षक भगवान सिंह ने कहा कि मातृ शक्ति का भारतीय संस्कृति में सर्वोच्च स्थान है। जीवन का प्रवाह, हमारी प्राण शक्ति का स्रोत मातृ शक्ति ही है। ब्रह्माण्ड में हर तत्व की सृजन कर्ता मातृ शक्ति को ही माना गया है।

सुलतानपुर में करोड़ों की सरार्फा डकैती में शामिल एक लाख का इनामी बदमाश एसटीएफ से मुठभेड़ में ढेर

सुलतानपुर, 05 सितंबर (हि.स.)। जिले के चौक बाजार में सरार्फा व्यवसाई के यहां 28 अगस्त को सरेआम डकैती लगने से बुरी तरह घायल हो गया। घायलावस्था में मंगेश को निकट के सीएचसी भदाईयां इलाज के लिए भेजा गया। इसके बताया कि सरार्फा व्यवसायी भरतजी ज्वैलर्स के यहाँ हुई घटना में हमारे अन्य साथी भी शामिल हैं, जिसमें विपिन सिंह,

डालने में शामिल एक लाख के इनामी बदमाश मंगेश यादव को एसटीएफ की टीम से मुठभेड़ में घायल हो गया। पुलिस ने इलाज के लिए मेडिकल कालेज में भर्ती कराया जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

उल्लेखनीय है कि बीते दिनों नगर चौक में भरत जी ज्वैलर्स के यहां दिन दहाड़े नकाबपोश हथियारबंद बदमाशों ने करोड़ों की डकैती की वारदात को अंजाम दिया था। वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह में शामिल मुख्य सरगना की गुरुवार तड़के लगभग 03.25 बजे यूपी एसटीएफ के पुलिस उपाधीक्षक विमल सिंह की टीम से मिशीरपुर पुरैना में मुठभेड़ हो गयी। मुठभेड़ के दौरान घटना में शामिल मुख्य आरोपी एक लाख के इनामी बदमाश मंगेश यादव पुत्र राकेश यादव निवासी ग्राम अगरौरा थाना बक्शा, जनपद जौनपुर को एसटीएफ की गोली बाद मेडिकल कालेज सुलतानपुर में भर्ती कराया गया। जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मंगेश पर पहले भी कई मुकदमे दर्ज हैं। मौके से एक पिस्टल 32 बोर व कारतूस, एक तमंचा 315 बोर, एक मोटरसाइकिल व डकैती से सम्बन्धित आभूषण भी बरामद हुए हैं।

बता दें कि 28 अगस्त को सरार्फा व्यवसायी (भरत जी ज्वैलर्स) के यहां पांच अज्ञात नकाबपोश हथियारबंद बदमाशों ने डकैती की वारदात को अंजाम दी। इस दौरान बदमाश करोडों के सोने-चांदी के जेवर व नकदी लूट ले गए थे। पुलिस ने कुछ दिन पहले गोडवा इण्टर कालेज के गेट के सामने डकैती डालने में शामिल बदमाशों के बीच मुठभेड़ में कई शातिरों को दबोच लिया था। पकड़े गए बदमाशों

में सचिन सिंह, पुष्पेन्द्र उर्फ डब्ल्यू, त्रिभुवन कोरी हैं। पुलिस की पूछताछ में बदमाशों ने फुरकान, अनुज प्रताप सिंह, अरबाज, विनय शुक्ला, मंगेश यादव, अंकित यादव उर्फ शेखर, अजय यादव उर्फ डीएम, अरविन्द यादव उर्फ फौजी, विवेक सिंह, दुर्गेश प्रताप सिंह व एक अज्ञात व्यक्ति हैं।

पुलिस को पूछताछ में गिरफ्तार बदमाशों ने घटना का मुख्य आरोपी मंगेश यादव को बताया। इस जानकारी पर पुलिस के साथ घटना

के अनावरण में लगी यूपी एसटीएफ अन्य बदमाशों की तलाश में लगी थीं। मुख्य आरोपी मंगेश पर एक लाख का इनाम घोषित किया गया

था। उसकी तलाश में लगी एसटीएफ की टीम से सामना हो गया। मुठभेड़ में फरार चल रहे मंगेश मुठभेड़ में ढेर हो गया। अभी वारदात में

शामिल फरार अन्य बदमाशों की तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

आकाशीय बिजली की चपेट में आकर महिला की मौत, आठ झुलस

मीरजापुर, 05 सितंबर (हि.स.)। मड़िहान थाना क्षेत्र के हसरा गांव में बुधवार की देर शाम आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। वहीं आसपास के तीन गांवों में बिजली की चपेट में आकर आठ लोग झुलस गए।

हसरा गांव के चकरा मजरे की निवासी गीता देवी (45) मवेशियों को गोशाला में बांध रही थीं। उसी दौरान आकाशीय बिजली की चपेट में आकर झुलस गई। परिजन उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मड़िहान ले गए, जहां चिकित्सक ने परिक्षण के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। सीए चसी प्रभारी डा. आरएस वर्मा ने बताया कि आकाशीय बिजली की चपेट आई एक महिला को अस्पताल लाया गया था, जिसकी मौत हो चुकी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

क्षेत्र के पहरिया कला निवासी जगदीश (50), दुलारे (55) व आशीष (10) सिवान में गाय चराने गए थे। अचानक गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीनों झुलस गए। प्रधान प्रतिनिधि संतोष तिवारी ने सभी को इलाज लिए सीएचसी पहुंचाया। वहीं पटेहरा कला गांव में सुनीता बिंद (30) व आयंस (10) अपने घर के बरामदे में बैठे थे।

तभी पास में आकाशीय बिजली गिरने से उसकी चपेट में आकर झुलस गए। उन्हें पटेहरा पीएचसी में भर्ती कराया गया। नेवड़िया गांव निवासी अनीता (28) भी बिजली की चपेट में आकर झुलस गई।

पड़रिया खुर्द गांव निवासी मीना (40) व अंजली (17) भी बिजली की चपेट में आकर झुलस गई। इनका इलाज सीएचसी मड़िहान में चल रहा है। पीएचसी प्रभारी पटेहरा डा. अभिषेक जायसवाल ने बताया कि सभी मरीज खतरे से बाहर हैं।

एसपी ने पिहानी और मझिला के थाना प्रभारी को लाइन हाजिर किया, कई थानेदारों के कार्य क्षेत्र बदले

हरदोई, 05 सितंबर (हि.स.)। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार ने प्रशासनिक आधार पर पिहानी कोतवाली के इंस्पेक्टर धर्मदास सिद्धार्थ और मझिला के

थानाध्यक्ष प्रियम्बद मिश्रा को लाइन हाजिर कर दिया। इसके अलावा उन्होंने कई थाना प्रभारियों के कार्य क्षेत्र बदल दिए।

एसपी ने इंस्पेक्टर सुनील कुमार दुबे को कोतवाली पिहानी तथा अमित सिंह को महिला थाने का चार्ज दिया है। बृजेश कुमार राय को बेनीगंज कोतवाली, दिनेश यादव को थानाध्यक्ष हरियावां, राजदेव मिश्रा को सवायजपुर, निर्भय कुमार सिंह को शाहाबाद कोतवाली तथा बालेंद्र मिश्रा को पीआरओ पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी सौंपी हैं।

एसपी ने सांडी, बिलग्राम और मल्लावां में रात्रि गस्त और बैरियर ड्यूटी का किया निरीक्षण

पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने बीती रात बुधवार थाना सांडी क्षेत्रांतर्गत सांडी तिराहा बेरियर ड्यूटी का आकस्मिक निरीक्षण किया। ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने थाना बिलग्राम क्षेत्रांतर्गत बेरियर ड्यूटी, पीआरवी 112 का आकस्मिक निरीक्षण किया एवं ढाबा व संदिग्ध वाहनों को चेक किया। इसके अलावा एसपी ने थाना मल्लावां क्षेत्रांतर्गत बेरियर ड्यूटी, रात्रि गस्त ड्यूटी का आकस्मिक निरीक्षण किया एवं कानून व्यवस्था को अक्षुण बनाए रखने हेतु पैदल गस्त करते हुए संदिग्ध वाहनों को भी चेक किया।

इस दौरान उन्होंने ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये।

रामनगर तहसील के एक गांव में हो रहे अवैध खनन की उपजिलाधिकारी से शिकायत

बाराबंकी, 5 सितंबर (हि.स.)। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम अमोली हिसामपुर तेलवारी में चल रहे पीली मिट्टी के अवैध खनन से बाबू सिंह काका मार्ग पूरी तरह ध्वस्त होने की कगार पर पहुंच गया है। वहीं स्कूली बच्चों को आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। लगभग एक सप्ताह से उपरोक्त गांव में मिट्टी का खनन जारी है। प्रशासन द्वारा इन ओवरलोड डंफरों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। बाबू सिंह काका मार्ग की चौड़ाई कम होने के चलते इन डंपरों के चक्कर में स्कूल बसें भी फंसी रहती हैं। स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं को अपनी साइकिल सड़क के नीचे उतार कर खड़ा होना पड़ता है। अन्यथा दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं। इन डंपरों के द्वारा उड़ाई जाने वाली धूल से ग्रामीण भी काफी आहत हैं। तेलवारी निवासी सत्येंद्र सिंह व भगवान बक्श सिंह ने उप जिलाधिकारी को लिखित प्रार्थना पत्र देकर बताया है कि प्रशासन की बगैर अनुमति के खनन माफियाओं द्वारा अवैध पीली मिट्टी का खनन जोरों पर जारी है।

सहकारी चक मार्गों को भी नहीं बक्शा जा रहा है। शिकायतकर्ता ने यह भी कहा कि गाटा संख्या 681 182 183 मेरी जमीन है जिस पर जबरन ओवरलोड डंफर निकाल रहे हैं। मना करने पर दबंगई दिखाते हैं। वे कहते हैं कि उनका कोई कुछ नहीं कर सकता। इस पर उप जिलाधिकारी रामनगर पवन कुमार ने कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

कौशांबी मेडिकल कॉलेज रात्रि चिकित्सा व्यवस्था भगवान भरोसे

कौशांबी, 05 सितंबर (हि.स.)। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने बीती रात बुधवार मुख्यालय स्थित मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण किया। वह चिकित्सा की रात्रि व्यवस्था को देखने निकले थे। अस्पताल की व्यवस्था से जिलाधिकारी खासे

असंतुष्ट दिखाई पड़े। उन्होंने सीएमएस डॉ एसके शुक्ला से ड्यूटी से गायब डाक्टरों के बारे में सवाल किया। सीएमएस ने जिलाधिकारी को गुमराह करने के लिए उन्हें रात्रि के आन काल डाक्टर बताया। जिलाधिकारी ने सीएमएस को तत्काल काल कर बुलाने का निर्देश दिया। हैरानी के बात यह रही कि सीएमएस के काल करने के बाद भी उनके आन काल डाक्टर ड्यूटी पर नहीं आ सके। जिलाधिकारी ने सभी को नोटिस जारी कर कारण बताने का निर्देश दिया है।

जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी को पिछले कई दिनों से मेडिकल कॉलेज में रात्रि इलाज के बाबत डाक्टरों के न होने की सूचना मिल रही थी। बीती रात करीब साढ़े आठ बजे जिलाधिकारी खुद सामान्य नागरिक की भांति अस्पताल पहुंच गए। अस्पताल की इमरजेंसी में उन्होंने जूनियर डाक्टर अंबुज व कुछ पैरामेडिकल स्टाफ को ड्यूटी पर पाया। इसके बाद वह सीधे लेबर रूम पहुंचे, जहां उन्हें जूनियर डॉक्टर एवं सीनियर डॉक्टर गायनेकोलॉजिस्ट ड्यूटी पर तैनात मिले। जिलाधिकारी के निरीक्षण की भनक लगते ही सीएमएस डॉ एसके शुक्ला कुछ मेडिकल स्टाफ के साथ पहुंचे।

जिलाधिकारी ने सीएमएस से ड्यूटी पर डॉक्टर व स्टाफ के कम होने का सवाल किया। जवाब में सीएमएस ने ड्यूटी से गायब चिकित्सक एवं पैरामेडिकल को आन काल ड्यूटी बता कर बचाव करने की कोशिश की। इस पर जिलाधिकारी ने उन्हें तत्काल काल पर ड्यूटी पर आने का निर्देश देकर फोन कराया। जिलाधिकारी ने सभी कथित आन काल डाक्टर व स्टाफ को अस्पताल पहुंचने को 30 मिनट का समय दिया। इस बीच जिलाधिकारी व सीएमएस के सामने कोई भी आन काल बताए गए चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित नहीं हो सके। इस पर जिलाधिकारी ने सीएमएस से नाराजगी जाहिर करते हुए चिकित्सालय में एनेस्थिस्ट, सर्जन, पीड्रियाटीशियन, फिजीशियन, ऑथोर्पेडिक डॉक्टर समेत सभी अनुपस्थित मिले लोगों की जवाबदेही तय करने को नोटिस देने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी मधुसूदन ने कहा कि सीएमएस अस्पताल में इलाज के बाबत तैनात डाक्टर व अन्य स्टाफ के लिए यह सुनिश्चित करें कि वह जिला मुख्यालय में आवासित होकर ड्यूटी करें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि प्रयागराज या अन्य जनपद से आकार ड्यूटी करने वाले डाक्टर व स्टाफ के सूची बना कर उन्हें भेजें, ताकि शासन को पत्र भेज कर लापरवाह स्वास्थ्य कर्मियों पर कड़ी कार्यवाही कराई जा सके।

जिलाधिकारी इसके बाद अस्पताल के एनआरसी सेंटर पहुंचे। उन्होंने वहां पर इलाज के लिए भर्ती किए गए बच्चों का हाल, उपस्थित एटेंडेंट व ड्यूटी स्टाफ से जानी। उन्हें बताया गया कि यहाँ पर छोटे बच्चे रखे गये हैं, जिनमें कई लो-वेट के हैं। इस पर जिलाधिकारी ने बच्चों का विशेष ध्यान देने हेतु ड्यूटी पर उपस्थित एटेंडेंट को निर्देशित किया। लो-वेट बेबी की समुचित देखभाल करें ताकि वे जल्दी इन्प्रूव करके अपने घर जा सकें।

जिलाधिकारी अंत में वन स्टाप सेंटर का निरीक्षण करने पहुंचे। निरीक्षण के समय वन स्टाप सेंटर में 10 लड़कियां मिली। ड्यूटी पर तीन लोग, जिनमें एक काउन्सर, एक महिला एवं एक पुरूष होमगार्ड उपस्थित थे। जिलाधिकारी वन स्टाफ सेंटर की साफ सफाई से बेहद नाराज हुए। उन्होंने तत्काल जिला प्रोबेशन अधिकारी को साफ सफाई व पिछले साल प्राप्त आवंटित बजट के दस्तावेज से साथ ब्रहस्पतिवार की सुबह दफ्तर में तलब किया है। उन्होने सेंटर मैनेजर को कार्य मनाक एवं गुणवत्ता के अनुसार ही करने का निर्देश दिए हैं।

बाबा विश्वनाथ के दरबार में गूंजा पॉलीथीन त्यागने का नारा

—नमामि गंगे ने श्री काशी विश्वनाथ धाम में बांटे कपड़े के झोले

वाराणसी, 05 सितम्बर (हि.स.)। श्री काशी विश्वनाथ का दरबार गुरुवार को पर्यावरण के लिए हानिकारक सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं चलाई जा रही मुहिम के तहत "जागें, त्यागें पॉलीथिन" के लिए नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने लोगों को जागरूक किया। यदि पॉलीथीन का इस्तेमाल होता रहा तो पर्यावरण का नुकसान होगा।

लोगों से अपील है कि पॉलीथीन के खिलाफ मुहिम में

करने की अपील से गूंज उठा। मां गंगा सहित समूचे प्रकृति को नुकसान पहुंचा रहे पॉलीथीन के खिलाफ जल शक्ति मंत्रालय राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन द्वारा काशी विश्वनाथ धाम में पॉलीथीन का उपयोग कर रहे श्रद्धालुओं को कपड़े के झोले का वितरण किया गया। इस दौरान राजेश शुक्ला ने कहा कि सहयोग करें।

काशी और गंगा को पॉलीथी मुक्त बनाने के लिए जरूरी है कि लोग कपड़े का थैला लेकर घर से निकलें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या पहुँचे

अयोध्या, 5 सितंबर (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को अयोध्या के राम कथा पार्क स्थित हेलीपैड पहुँचे हैं। मुख्यमंत्री लगभग चार घंटे से अधिक समय अयोध्या में रहेंगे। यहां से वह सड़क मार्ग से सबसे पहले रामसेवकपुरम पहुंचेंगे। रामघाट क्षेत्र स्थित रामसेवकपुरम में नवनिर्मित शिव मंदिर के 25 फीट ऊंचे शिखर पर कलश स्थापित कर मंदिर का लोकार्पण करेंगे। आज प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में शामिल होकर पहली आरती भी उतारेंगे। मंदिर के शिखर तक जाने के लिए विशेष सीढ़ियों का प्रबंध किया गया है।

आयोजक लोकनाथन ने बताया कि मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राम मंदिर और हनुमान गढ़ी पर दर्शन पूजन के बाद साधु-संतों से मुलाकात करेंगे। वह कारसेवकपुरम में स्वर्गीय अशोक सिंघल वेद पुरस्कार कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। उसके बाद विश्व हिंदू परिषद के मुख्यालय कारसेवकपुरम में सम्मान समारोह में शामिल होंगे। वह अयोध्या के विकास संबंधित परियोजनाओं का भी निरीक्षण करेंगे। श्री राम मंदिर ट्रस्ट के व्यवस्थापक गोपाल जी राव ने बताया कि तमिलनाडु के एक भक्त के द्वारा इस मंदिर को तैयार किया गया है। भगवान शिव की प्राण प्रतिष्ठा की जा रही है। मुख्यमंत्री मंदिर के शिखर पर पताका लगाएंगे। इसके साथ ही अनुष्ठान में भी शामिल होंगे।

शिक्षक और गुरु की भूमिका पर चिन्तन करना आवश्यक: रामबहादुर राय

गाजियाबाद, 5 सितंबर (हि.स.)। ह्यगुरु और अध्यापक में फर्क यह है कि अध्यापक सिर्फ अध्ययन कराने से जुड़ा है, जबकि गुरु अध्ययन से आगे जाकर जिन्दगी की हकीकत से भी रूबरू कराता है और उससे निपटने के गुर सिखाता है ह्व यह विचार मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने बतौर मुख्य वक्ता व्यक्त किये। वह मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के विवेकानंद सभागार में आयोजित विचार संगोष्ठी में बोल रहे थे। ह्यगुरु-शिष्य परम्पराह्व विचार संगोष्ठी का विषय था।

विचार संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अध्यक्ष पद्मश्री राम बहादुर राय ने कहा कि आज की जरूरतों के हिसाब से शिक्षक और गुरु की भूमिका पर चिन्तन करना आवश्यक है। यूं तो सोशल मीडिया पर तमाम गुरुओं की भरमार है लेकिन सही मार्गदर्शन जो करे वही असली गुरु कहलाता है। उन्होंने कहा कि सारी प्रतिभा आपके अंदर है। इसे पहचानिये। इसे कैसे व्यवस्थित करना है, इसे सीखिए। जो स्वयं को पहचान गया वही गुरु है। यानी हम स्वयं के गुरु होते हैं।

अपने वक्तव्य में डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कहा कि आज हमें अपने विद्यार्थियों को गुरु की महत्ता के बारे में बताने की आवश्यकता है। उन्हें अध्यापक और गुरु के भेद को समझाना होगा। हमें उनको यह बताना चाहिए कि अध्यापक क्या है और गुरु क्या है? गुरु का हमारे जीवन में क्या महत्व है? अध्यापक गुरु से कैसे अलग है? गुरु और अध्यापक में से कौन बेहतर है? गुरु की धारणा मौलिक रूप से पूर्वीय नहीं भारतीय है। गुरु जैसा शब्द दुनिया की किसी भाषा में नहीं है। शिक्षक, टीचर, मास्टर ये शब्द हैं। लेकिन गुरु जैसा कोई भी शब्द नहीं है। गुरु के साथ हमारे अभिप्राय ही भिन्न हैं। उन्होंने कहा कि अगर इतिहास के पन्नों पर नजर दौड़ाएं तो हमें कई जगह पर अपने धार्मिक ग्रंथों और कहानियों में गुरु की भूमिका, उनकी महत्ता और उनके पूरे स्वरूप के दर्शन हो जाएँगे। महाभारत में श्रीकृष्ण अर्जुन के सामने युद्ध के मैदान में गुरु की भूमिका में थे। उन्होंने अर्जुन को न सिर्फ उपदेश दिया बल्कि हर उस नाजुक वक्त में उसे थामा, जब-जब वह लड़खड़ाता नजर आया। लेकिन आज का अध्यापक इससे अलग है। अध्यापक गुरु हो सकता है पर किसी गुरु को सिर्फ अध्यापक समझ लेना गलत है। ऐसा भी हो सकता है कि सभी अध्यापक गुरु कहलाने लायक न हों, हजारों में से मुट्ठीभर अध्यापक ही आपको गुरु मिलेंगे।

उन्होंने कहा कि हमारे आस-पास मौजूद तमाम लोग, प्रकृति में व्यवस्थित हर चीज छोटी या बड़ी, जिससे कुछ सीखने को मिले, उसे हमें गुरु समझना चाहिए और उससे एक शिष्य के नाते पेश आना चाहिए। यूँ तो गुरु से ज्यादा महत्वपूर्ण शिष्य है। शिष्य से ही गुरु की महत्ता है। यदि कोई शिष्य उस गुरु से सीखने को तैयार नहीं है तो वह गुरु नहीं हो सकता। गुरुत्व शिष्यत्व पर निर्भर करता है। उन्होंने गुरु बनने के लिए कुछ सुझाव दिये। जैसे, अध्यापक को रोज नया ज्ञान, तकनीक, प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन, पुरस्कार, उचित एवं पर्याप्त वेतन दिया जाना चाहिये। अध्ययन एवं अध्यापन को समाज में सर्वाधिक प्रतिष्ठित कार्य माना जाना चाहिये। यदि हम यह सब करने में सफल होते हैं तो हम एक सभ्य समाज एवं सुदृढ़ राष्ट्र के निर्माण की ओर अग्रसर होंगे। तब हम असल में बन सकेंगे अध्यापक से बढ़कर एक अच्छे गुरु।

कार्यक्रम में संदीप जोशी समेत मेवाड़ परिवार के सदस्य आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। संचालन वरिष्ठ पत्रकार मनोज मिश्र ने किया।

यूपी सरकार के कारागार मंत्री ने किया मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण

जालौन, 5 सितंबर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश सरकार के कारागार मंत्री धर्मवीर प्रजापति गुरूवार को जालौन पहुंचे और यहां पर उन्होंने राजकीय मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण किया । इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था से लेकर कई अहम मुद्दों पर दिशा निर्देश दिए साथ ही मरीजों के लिए पर्चा काउंटर बढ़ाए जानें की बात कही।

गुरुवार को उत्तर प्रदेश सरकार के होमगार्ड राज्यमंत्री धर्मवीर प्रजापति माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय और पुलिस अधीक्षक डॉक्टर दुर्गेश कुमार के साथ उरई की राजकीय मेडिकल कोॉलेज पहंचे। जहां उन्होंने सबसे पहले पर्चा काउंटर पर लगी भीड़ को देखा जहां मरीजों की ज्यादा भीड़ देखते हुए उन्होंने मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर अरविंद त्रिवेदी तथा सीएमएस डॉक्टर प्रशांत निरंजन को निर्देश देते हुए कहा कि मरीजों की भीड़ देखिते हुए 10 नए पर्चे काउंटर खोले जाएं। जिससे मरीज को पर्चा बनवाने में किसी प्रकार की समस्या न हो।

इसके अलावा कारागार मंत्री ने ओपीडी कक्ष का निरीक्षण किया, साथ ही वार्ड में जाकर भर्ती मरीजों से बात की। इस दौरान उन्होंने मरीजों से मेडिकल कॉलेज में मिलने वाले इलाज के बारे में जानकारी ली और समस्याओं के बारे में पूछा जिस पर मरीजों ने मंत्री को बताया कि उन्हें बेहतर इलाज मिल रहा है और किसी प्रकार की कोई समस्या मेडिकल तमें नहीं है। वहीं डॉक्टरों को निर्देश दिए कि मरीजों की बेहतर पा जाए। आयुष्मान कार्ड धारकों को विशेष लाभ दिया जाए उसी दवा को लिखे जो प्रधानमंत्री औषधि केंद्र पर मिलती हो।

मुजफ्फरनगर में कार सवार बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़, गोली लगने से दो घायल

मुजफ्फरनगर, 05 सितम्बर (हि.स.)। जनपद में नई मंडी कोतवाली क्षेत्र में पुलिस की चेकिंग के दौरान कार सवार बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। बदमाशों की गोलीबारी का जवाब देते हुए पुलिस की फायरिंग में दो अभियुक्त घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराते हुए पुलिस कार्रवाई में जुट गई है।

क्षेत्राधिकारी नई मंडी रूपाली राव ने बताया कि नई मंडी कोतवाली क्षेत्र में बाबू वाला चौराहे पर थाना पुलिस वाहनों की चेकिंग कर रही थी। तभी एक कार पर सवार दो लोग आते दिखाई दिए। पुलिस ने कार सवारों को रोकने के लिए इशारा किया तो वे गाड़ी की रफ्तार बढ़ाते हुए भागने लगे। पुलिस टीम ने सिसौना पुलिया पर घेर लिया।

इस पर कार सवार बदमाशों ने फायरिंग शुरू करते हुए गाड़ी से उतरकर अंधेरे में भागने का प्रयास किया। बदमाशों के फायरिंग करने पर पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की तो दो बदमाशों के पैर में गोली लगने से घायल हो गए। दोनों बदमाशों को पकड़ लिया गया।

सीओ ने बताया कि पूछताछ में बदमाशों ने 30 अगस्त को इलाके के सुखबीर ढाबे से चोरी की वारदात को अंजाम दिए जाने की बात कबूल की है। इनके कब्जे से चोरी के करीब 10 लाख रुपये के जेवरातों में लगाए जाने वाले कीमती स्टोन (हीरे) बरामद हुए हैं। पकड़े गए अभियुक्तों के नाम जाबिर व समीर है। दोनों मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं। तलाशी में क्रेटा कार में दो फर्जी नम्बर प्लेट मिली है।

मौके से दो तमंचे, कारतूस, खोखे आदि बरामद हुए हैं। अभियुक्तों को अस्पताल में भर्ती कराते हुए आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। दोनों के खिलाफ अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली में आयोजित उद्योग समागम में यूपी का प्रतिनिधित्व करेंगे मंत्री नन्दी

लखनऊ, 04 सितंबर (हि.स.)। उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग भारत सरकार द्वारा उद्योग समागम का आयोजन पांच सितम्बर को देश की राजधानी दिल्ली में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में यशोभूमि द्वारका के पलाश हाल में किया गया है। जिसमें देश के सभी राज्यों के उद्योग मंत्री एवं प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे। उत्तर प्रदेश सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी सम्मिलित होंगे।

उद्योग समागम में औद्योगिक वृद्धि, आम चुनौतियों पर चर्चा होगी।

मंत्री नन्दी उद्योग समागम में असीम सम्भावनाओं के प्रदेश उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास एवं प्रगति से अवगत कराते हुए विकास की सम्भावनाओं से केंद्रीय मंत्री को अवगत कराएंगे।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में प्रदेश के चार शहरों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

लखनऊ, 05 सितम्बर (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2024 में उत्तर प्रदेश के चार शहरों ने वायु गुणवत्ता के मामले में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसमें फिरोजाबाद एवं रायबरेली को अपनी श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान मिला तथा आगरा एवं झांसी को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। यह सर्वेक्षण प्रतिवर्ष पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा कराया जाता है। इन सभी निकायों को केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा 07 सितंबर को जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कृत किया जाएगा।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने इस संबंध में बताया कि विगत दो वर्षों से प्रदेश की नगरीय व्यवस्थापन में सुधार के सतत प्रयास किया जा रहे हैं। इन्ही प्रयासों से शहरों की वायु गुणवत्ता के साथ नागरिकों के क्वालिटी आफ लाइफ में भी सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि नगरों की नियमित साफ-सफाई कराई जा रही, सुबह पांच बजे से सफाई कर्मी सफाई कार्यों में जुट जाते हैं।

नगरों में सुंदरीकरण के कार्य कराए जा रहे हैं, शहरों की हरियाली बढ़ाने के लिए पौधरोपण के साथ पार्कों, उद्यानों का रिनोवेशन किया गया, मियावाकी उद्यान बनाए जा रहे हैं। शहरों के वायु प्रदूषण को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक बसें भी चलाई जा रही हैं और नागरिकों को भी ई-व्हीकल चलाने के लिए भी जागरूक किया जा रहा है। स्वच्छता, साफ सफाई और प्रदूषण को लेकर नागरिकों में भी जागरूकता आई है। इन सभी के परिणाम स्वरुप ही प्रदेश के नगरों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नगरी वातावरण को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए नगर विकास विभाग हर संभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने इसके लिए सभी नगर कर्मियों और नागरिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

नगर विकास मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व से तथा नगर विकास विभाग के प्रभावशाली कार्यशैली के फलस्वरूप प्रदेश के शहरों को विश्वस्तरीय पहचान मिल रही है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में गौरवशाली स्थान प्राप्त करके प्रदेश के दो शहरों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान मिला तथा 02 शहरों को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है।

उन्होंने बताया कि स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा देश के 131 शहरों का स्वच्छ मूल्यांकन किया गया। इस राष्ट्रीय सर्वेक्षण में विभिन्न शहरों को अपने पर्यावरण में वायु प्रदूषण को कम करने की दिशा में किए गए प्रयासों के आधार पर विभिन्न नगरों को स्थान दिया गया है। इसके अनुसार 03 लाख से 10 लाख तक की जनसंख्या वाले श्रेणी-2 के शहरों में फिरोजाबाद को देश में प्रथम स्थान और झांसी को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। तीन लाख से कम जनसंख्या वाले श्रेणी-3 में रायबरेली को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इसी प्रकार 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगरों की श्रेणी-1 में आगरा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

नगर विकास मंत्री ने बताया कि स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में विभिन्न नगरों के प्रदर्शन का मूल्यांकन मुख्य रूप से आठ बिंदुओं के आधार पर किया गया है, इसमें बायोमास पर नियंत्रण, नगरीय ठोस अपशिष्ट, कूड़े करकट को जलाया जाना, सड़कों पर धूल, निर्माण कार्यों एवं ध्वस्तीकरण के कारण उत्पन्न मलबा, वाहनों से उत्पन्न प्रदूषण, औद्योगिक प्रदूषण, जनसामान्य में जन-जागरूकता, पीएम 10 घनत्व में वृद्धि आदि क्षेत्रों का मूल्यांकन किया गया।

एसडीएम न मिलने पर स्टेनों को किसानों ने सौंपा ज्ञापन

सासनी-। सासनी तहसील परिसर में भारतीय किसान यूनियन हरपाल गुट के किसानों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर दर्जनभर मंत्रियों के नाम एक ज्ञापन एसडीएम की अनुपस्थिति में उनके स्टेनो को सौंपा है।

गुरूवार को जिलाध्यक्ष राजकुमार कौशिक के नेतृत्व एवं उमाशंकर बांगड के संचालन में स्टेनों को सौंपे ज्ञापन में किसानों ने कहा है कि भाकियू के दिल्ली में धरनों के समय केन्द्र सरकार द्वारा न्यूनतम मूल्य खरीद कानून बनाने की बात कही थी जो अभी तक पूरी नही की गई है। अग्निवीर सैनिकों को पूर्ण कालिक बनाकर बेरोजगारी हटाएं। उत्तर प्रदेश में ग्रामीण अंचलों में टूटी पडी डाबर व सीमेंटेड सडकें अतिशीघ्र ठीक कराई जायें स्मार्ट मीटर बिजली बिल दूना दे रहे हैं सही मीटर रीडिंग बिल जारी किए जायें। ज्ञापन में कहा है कि आंगनबाडी, रसोईया, आशा कर्मचारियों का 12 हजार प्रतिमाह मानदेय किया जाए। गरीबों की पेंशन तीन हजार रुपए प्रतिमाह की जाए। तहसील के गांव जलालपुर में खेलकूद मैदान बनाया जाय बिजली कटौती से किसान व जनता भारी परेशान है जिस प्रकार बिल वसूली की जाती है उसकी प्रकार बिजली आपूर्ति ठीक प्रकार दी जाए। ज्ञापन देने वालों में चैधरी हरपाल सिंह, नगेन्द्र सिंह, विनोद कुमार, श्रीपाल सिंह, हरेन्द्र सिंह, रामबाबू कौशिक, उमाशंकर बांगड, प्रदीप उपाध्याय, पवन चैधारी, रामखिलौनी, रामप्रकाश, गिर्राज सिंह, आदि मौजूद थे।

मीराबाई जी हाथरस से ही वृन्दावन पहुंची थी: गौरांगदास जी

-हाथरस में स्वयं योगमाया संतों संग भ्रमण करती हैं श्रीराम कथा महोत्सव में भरत चरित के मर्म को छूने प्रयास

हाथरस, "भरत सरिस को राम सनेही। जगु जप राम रामु जप जेही" अर्थात भरत जी तो प्रभु के परम स्नेही है। सारा जगत श्री राम को जपता है पर भगवान श्री राम स्वयं भरत जी को जपते है अर्थात उन्हीं के ध्यान में मगन रहते है। यह उद्गार वृंदावन धाम से पधारे परमसंत भक्तमाली श्री गौरांगदास जी महाराज जी महाराज ने यहां चक्की बाजार स्थित गोपाल धाम में आरंभ हुए श्रीराम कथा महोत्सव में प्रथम दिन व्यक्त किये। उन्होंने बताया कि रामलीला में सभी कथायें अद्भुत हैं, लेकिन भरत जी का चरित्र अद्वितीय है, अगम्य है, अगौचर है। भरतलाल जी स्वयं जिनके शिष्य रहे हैं वह वशिष्ठ जी कहते हैं कि "भरत महा महिमा जलरासी। मुनि मति ठाढ़ि तीर अबला सी॥" अर्थात भरत जी चरित एक महा समुद्र है और मुनि की बुद्धि उसके तट पर अबला स्त्री के समान है। श्री गौरांगदास जी महाराज ने हाथरस भूमि को रस व संतों की नगरी बताया है। उन्होंने गृहस्थ संत ब्रजनाथ शरण अरोड़ा जी के संबंध में बताया कि एक बार पूज्य बाबू जी गोवर्धन बारे बाबा गयाप्रसाद जी पास गये। बाबा ने उन से नाम पूछा तो उन्होंने बताया कि ब्रजनाथ। बाबा महाराज बोले ब्रजनाथ तो एक ही है। तुम तो ब्रजनाथ शरण हो तभी से बाबू जी ने अपना नाम ब्रजनाथ शरण रख लिया। उन्होंनो बताया जिस नगरी स्वयं माता योगमाया विचरण करती हों वह नगरी धन्य है। जब जगन्नाथपुरी से महाप्रभु वृन्दावन पधारे हैं तो हाथरस से ही होकर गये हैं। मीराबाई भी जब पुष्कर से वृन्दावन आई थी तो हाथरस में ही प्रवास करते हुए वृन्दावन पहुंची है। हाथरस में ही तमाम रसिक और संतों ने अवतरण लिया है।

इस अवसर पर पं. भोलाशंकर, रघुनन्दन शरण अरोड़ा, आशीष जैन, विकास अग्रवाल, रोचक जैन, सुग्रीव सिंह राणा, रामवल्लभ शर्मा, प्रिया जी गारमेंट्स आदि सैकड़ों की संख्या में भक्त सनातनी उपस्थित थे।

एमवीपी अवधारणा स्टार्टअप को शुरूआती ग्राहकों की संतुष्टि का प्रतीक : डॉ. नरोतम शर्मा

मुरादाबाद, 05 सितम्बर (हि.स.)। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज में गुरुवार को लीन स्टार्टअप और मिनिमम वाइएबल प्रोडक्ट्स पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन हुआ। जिसमें डीएनए लैब सेंटर फॉर एप्लाइड साइंसेज, देहरादून के निदेशक व मेडिकल लैब तकनीकों और स्टार्टअप विकास के क्षेत्र के प्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉ. नरोतम शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नए उद्यमियों के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों और ग्राहकों की जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया गया। साथ ही प्रोडक्ट डवलपमेंट में चुनौतियों को दूर करने पर भी चर्चा हुई।

मुख्य अतिथि डॉ. नरोतम शर्मा ने स्टार्टअप के चुनौतीपूर्ण परिदृश्य को नेविगेट करने के तरीकों पर अंतदृष्टि साझा की। उन्होंने कहा कि एमवीपी अवधारणा स्टार्टअप को शुरूआती ग्राहकों की संतुष्टि का प्रतीक है। साथ ही यह पर्याप्त सुविधाओं के संग उत्पाद विकसित करने में मदद करता है। डॉ. शर्मा ने इससे पहले कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज के प्राचार्य प्रो. नवनीत कुमार ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

डॉ. नरोतम शर्मा ने उद्यमिता के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण, वास्तविक दुनिया के उदाहरणों से स्टुडेंट्स के नवीन विचारों को सफल व्यावसायिक उद्यमों में बदलने के टिप्स भी दिए।

गेस्ट लेक्चर के दौरान इंटरैक्टिव प्रश्न-उत्तर सत्र भी चला। इस मौके पर मेडिकल लैब टेक्निक्स की एचओडी डॉ. रुचि कांत के संग-संग फोरेंसिक साइंस के एचओडी रवि कुमार, ऑप्टोमेट्री के एचओडी राकेश यादव, रेडियो और इमेजिंग टेक्निक्स के एचओडी अमित बिष्ट, फैकल्टीज विनय पाठक, बैजनाथ दास, आकाश चौहान, रोशन कुमार, वर्षा राजपूत, साक्षी बिष्ट, सौरभ बिष्ट, ममता वर्मा, श्रेया ठकराल, अर्चना जैन एवं फॉरेंसिक, एमएलटी, ऑप्टोमेट्री, आरआईटी के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

मुकदमे की दोषमुक्त की खबर सुनकर उनके परिवारजनों में खुशी की लहर

फरुर्खाबाद।जिले में 2012 से चल रहे नरमुंड हत्याकांड में आरोपी युवकों के ऊपर चल रहे मुकदमे की दोषमुक्त की खबर सुनकर उनके परिवारजनों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी से अचरा थाना मेरापुर के मामले में मेरापुर के 4 व्यक्तियो को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया था जिसमें राम आसरे ,बलराम, सुखराम और रजिस्टर नाम के व्यक्ति थे चर्चित नरमुंड बरामद होने के बाद थाना मेरापुर के अपराध संख्या 469/2011 व एस.टी. नंबर 8/2014 धारा 364, 302, 201 आई.पी.सी. के विरुद्ध मुकद्दमा न्यायालय में चलता रहा इस पर बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने आरोपी को दोषमुक्त करने की मांग की।जिसकी वजह से कई दिनों तक उन चारो व्यक्तियो ने सजा भी काटना पड़ा और इसकी वजह से उन सभी व्यक्तियों को और उनके परिवार वालो को काफी दिक्कतों का सामना भी करना पढ़ा आज न्यायालय में चल रहे मुकदमे में वेगुनाह व्यक्तियो को पूर्ण रूप से दोष सिद्ध न होने पर दोष मुक्त कर दिया गया है इस मुकदमे की पैरवी अधिवक्ता श्री प्रेमपाल सिंह राजपूत व उनके सहयोगी अधिवक्तागण द्वारा की गई है अभियुक्त रामआसरे का कहना है कि वह अपने गांव का ग्राम प्रधान है तथा समाज में अच्छी छवि से जाना जाता है इसलिए उसकी हुई नुकसानी लगभग 2 करोड़ रुपए की मानहानि का मुकदमा वादी पक्ष के विरुद्ध न्यायालय में प्रस्तुत करेगा न्यायालय से दोष मुक्त होने के बाद अभियुक्त रामआसरे ने न्याय मिलने के बाद फोटो खिंचाई एवं मिठाई वितरण की जिसमें राकिम अंसारी व शीरु व मनोज राजपूत व नीलम राजपूत और अश्वनी भदोरिया आदि लोग मौजूद रहे'

अखिल भारतीय वैश्य महा संगठन एवं उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारीयों ने किया मेला संयोजकों का सम्मान

ब्रजभाषा कवि सम्मेलन के संयोजक आशु कवि श्री अनिल बौहरे का सम्मान करते पदाधिकारी

हाथरस, अखिल भारतीय वैश्य महासंगठन (रजि.) हाथरस एवं उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के तत्वाधान में मेला श्री दाऊजी महाराज में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के लिए जिलाधिकारी द्वारा नियुक्त दंगल संयोजक श्री मनोज अग्निहोत्री जी, व्यापारी सम्मेलन संयोजक श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल बर्तन वाले, पत्रकार सम्मेलन संयोजक श्री राजकुमार वार्ष्णेय जी, ब्रजभाषा कवि सम्मेलन संयोजक आशु कवि श्री अनिल बौहरे जी, ऑल इंडिया गंगा जमुनी मुशायरा संयोजक श्री चंद्रगुप्त विक्रमादित्य जी, वाद विवाद प्रतियोगिता संयोजक मोहनलाल

वार्ष्णेय, मानवाधिकार सम्मेलन श्री प्रवीण वार्ष्णेय जी, महिला सशक्तिकरण संयोजिका श्रीमती अखिलेश गुप्ता जी, कवयित्री सम्मेलन संयोजिका श्रीमती मीरा दीक्षित जी, बाल नृत्य एवं गायन प्रतियोगिता श्री नीरज वार्ष्णेय जी, मेधावी छात्र छात्रा सम्मेलन कृष्णा गुप्ता, नृत्य, संगीत एवं गायन प्रतियोगिता श्री ताराचंद माहेश्वरी जी, आदि सभी संयोजकों का अंग वस्त्र एवं फूल माला पहनाकर तथा मिष्ठान वितरण कर जोरदार स्वागत सम्मान किया।

कार्यक्रम मे वैश्य महा संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष तरुण पंकज नगर महामंत्री राम अग्रवाल कृष्णा यादव वैश्य महासंगठन के जिला अध्यक्ष लोकेश अग्रवाल व्यापार मंडल के युवा नगर अध्यक्ष योगेश वार्ष्णेय युवा महामंत्री चंदन वार्ष्णेय चिराग वार्ष्णेय हर्ष वार्ष्णेय आदि पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

वेद भगवान की शोभायात्रा गणेश चतुर्थी का प्रथम निमंत्रण जिलाधिकारी को दिया

हाथरस। श्री वेद भगवान सनातन धर्म सभा का एक प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष डॉक्टर जितेंद्र स्वरूप शर्मा के नेतृत्व में परंपरा के अनुसार प्रथम निमंत्रण पत्र जिलाधिकारी व मेला रिसीवर को वेद भगवान की शोभायात्रा गणेश चतुर्थी सात सितंबर से दो दिन पूर्व निमंत्रण पत्र दिए जाने की परंपरा है

विधि विधान के अनुसार जिलाधिकारी आशीष कुमार को प्रथम निमंत्रण पत्र डॉ जितेंद्र स्वरुप शर्मा महोत्सव सभापति उमेश चंद्र शर्मा संरक्षक मंडल के नागेंद्र पाठक आचार्य केयूर दीक्षित कार्यकारी अध्यक्ष पंडित गणेश चंद्र वशिष्ठ आचार्य मनोज द्विवेदी पंडित भगवती प्रसाद शर्मा पं सत्येंद्र स्वरुप शर्मा रंजन शर्मा आदि उपस्थित थे।

रि्शिाा्रि१्र

पैरामेडिकल कॉलेज : जांच समिति ने पेश की रिपोर्ट, पीड़िता के मानसिक उत्पीड़न को किया दरकिनार

झांसी, 05 सितंबर (हि.स.)। कोलकाता में महिला चिकित्सक के साथ हुई देश को शर्मसार करने वाली घटना अभी शांत भी नहीं हुई थी कि उसी की तर्ज पर पैरामेडिकल कॉलेज में भी बीएससी नर्सिंग की छात्र के मानसिक उत्पीड़न का मामला प्रकाश में आया है। प्राचार्य पर आरोप लगने के बाद जांच समिति ने मुख्य समस्या को दरकिनार करते हुये अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी। सुझाव भी दे डाले जिसमें पारदर्शिता का अभाव साफ झलकता है। अब देखना यह है कि शासन की जीरो टॉलरेंस वाली मंशा के अनुरूप पीड़िता को न्याय कब तक मिल पाता है?

बीते दिनों पैरामेडिकल कॉलेज के नर्सिंग विभाग में बीएससी नर्सिंग की छात्रा ने प्राचार्य पर गंभीर आरोप लगाते हुये उसे कम अंक देकर जीवन बर्बाद करने का आरोप लगाया था। इसको लेकर पैरामेडिकल के निदेशक अंशुल जैन ने दो सदस्यीय टीम गठित कर उसकी जांच रिपोर्ट मांगी थी। इस पर जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुये यह माना कि छात्रा के आंतरिक परीक्षा का मूल्यांकन विषय के शिक्षकों द्वारा किया गए था जो कि परीक्षा नियंत्रक द्वारा प्रधानाचार्य के माध्यम से विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराया गया। अपने निष्कर्ष में उन्होंने यह भी लिखा कि बीएससी नर्सिंग में प्रत्येक विषय की दो आंतरिक परीक्षायें होती है।

जिसमें पीड़िता ने चार में तीन विषय की आंतरिक परीक्षा नहीं दी थी संभवतः इस कारण से आंतरिक परीक्षा में कम अंक दिए गए। जबकि पीड़िता के भविष्य को दांव पर लगाते हुये अपने सुझाव में भविष्य के लिए यह बताया कि आंतरिक परीक्षा विषय विशेषज्ञ द्वारा करायी जाये। इसका मतलब है कि परीक्षा विषय विशेषज्ञ से नहीं हुई। साथ ही परीक्षा का मूल्यांकन पारदर्शिता के साथ कराने का सुझाव दिया गया है। जो अपने आप में प्रश्न खड़ा करता है कि क्या पारदर्शिता के साथ मूल्यांकन नहीं किया गया ? यही नहीं जांच समिति ने पूरे स्टाफ के बयान दर्ज कराये लेकिन छात्रा की कक्षा से किसी अन्य छात्र-छात्रओं के बयान लेना उचित नहीं समझा।

इस सबके इतर यक्ष प्रश्न यह है कि जांच समिति ने पीड़िता के उस दर्द को सिरे से खारिज कर दिया, जिस पीड़ा को उसने बताया था कि प्राचार्य पैरामेडिकल उसके ऊपर बुरी नजर रखते हैं। अपनी पूरी रिपोर्ट में इस मामले को न तो जांच समिति ने प्राथमिकता पर रखा और न ही इस समस्या के निस्तारण की कोई आवश्यकता समझी।

इस सम्बन्ध में प्राचार्य पैरामेडिकल कॉलेज मधुसूदन ने बताया कि उनका कार्य केवल परीक्षा के परिणाम को अग्रसारित करने का है जो उन्होंने बखूबी किया था।

शिक्षक दिवस के अवसर पर सीडीओ ने तुलसीसदन में 18 शिक्षकों को किया सम्मानित

प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक बच्चों के सर्वांगीण विकास में गुरू का महत्वपूर्ण योगदान-सीडीओ

प्रमोद श्रीवास्तव

प्रतापगढ़। शिक्षक दिवस के अवसर पर तुलसी सदन (हादीहाल) सभागार में प्राथमिक विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा ने शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर जनपद प्रतापगढ़ के प्रत्येक ब्लॉक से शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 18 शिक्षकों को मुख्य विकास अधिकारी ने सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि गुरू ब्रह्मा, गुरू विष्णु, गुरु देवो महेश्वरा गुरु साक्षात परब्रह्म, तस्मै श्री गुरुवे नमः। गुरु की महिमा का बखान सदियों से हो रहा है हमारी पाठशालाओं में विश्व का भविष्य तय होता है गुरु ही एक ऐसा व्यक्ति है जो दूसरों के बच्चों को आगे बढ़ाने में अपना संपूर्ण योगदान देता है इसलिए गुरु पूज्य होता है। प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक गुरु ही एक ऐसा व्यक्ति है जो बच्चों के सर्वांगीण विकास में अपना संपूर्ण योगदान देता है। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र सिंह ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि हमारे जनपद के लिए आज गौरव का दिन है कि राष्ट्रीय स्तर पर एवं राज्य स्तर पर दो शिक्षक हमारे जनपद प्रतापगढ़ से सम्मानित हो रहे हैं यह हम सबके लिए गौरव का क्षण है इसी तरह आप लोग आगे भी परिश्रम कर- के शिक्षा के क्षेत्र में प्रतापगढ़ जनपद का नाम रोशन करते रहे।

शिक्षक दिवस के अवसर पर जिन 18 शिक्षकों को सम्मानित किया गया उनमें प्राथमिक विद्यालय के कौत्शुभ सिंह, उ0प्रा0वि0 देवरी हरदोपट्टी के फूलचन्द्र नाविक, कम्पोजिट विद्यालय धरौली मधुपुर की प्रियंका सिंह, कम्पोजिट विद्यालय करौंदी की बविता सिंह, प्राथमिक विद्यालय हुसैनपुर के नवीन प्रकाश श्रीवास्तव, उ0प्रा0वि0 कटरा गुलाब सिंह के पितामह यादव, कम्पोजिट विद्यालय शिवगढ़ के अखिलेश त्रिपाठी, प्राथमिक विद्यालय रायपुर भगदरा की धर्मकुमारी, प्राथमिक विद्यालय कबीरपुर पचौरी की ममता आदित्य, कम्पोजिट विद्यालय सरायकीरत के शिव प्रसाद, प्राथमिक विद्यालय बारीपुर खुर्द के नीरज यादव, प्राथमिक विद्यालय जयसिंहगढ़ के गुप्ता राजेश्वरी, प्राथमिक विद्यालय सराय लालमती के अशोक शुक्ला, प्राथमिक विद्यालय भुड़हा के रमाशंकर मिश्र, प्राथमिक विद्यालय अजगरा की अंकिता पाण्डेय, प्राथमिक विद्यालय भदौसी के संदीप गुप्ता, प्राथमिक विद्यालय चिलबिला के दिनेश सिंह व प्राथमिक विद्यालय सिन्दुराईपुर के ज्योति प्रसाद दूबे सम्मिलित है।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से रामकुमार सिंह जिला व्यायाम शिक्षक, सुशील कुमार सिंह जिला स्काउट मास्टर, मंजू सिंह जिला व्यायाम शिक्षक, खंड शिक्षा अधिकारी सुशील त्रिपाठी, बंशीधर पांडे , सुरेश सिंह, अमित कुमार पांडे, डीसी निर्माण प्रदीप यादव, डीसी ट्रेनिंग योगेंद्र सिंह, वरिष्ठ बाबू बृजेश चंद्र तिवारी, आबिद आदि मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन ए.आर.पी. धर्मेंद्र ओझा ने किया।

मेला प्रांगण में तैयार हुई सीसी इंटरलॉकिंग सड़क का पालिका अध्यक्ष ने किया शुभारंभ,

हाथरस।ब्रज के लक्खी मेला श्री दाऊ जी महाराज की तैयारियों के क्रम में हाथरस नगर पालिका द्वारा मेला प्रांगण में राज्य वित्त से गौशाला से मंदिर की ओर सीसी इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्य कराया गया हैं, जिसकी लंबाई लगभग 48 मीटर एवं लागत लगभग 2,91,000 है तैयार हुई सड़क का पालिका अध्यक्ष श्वेता चौधरी ने फीता काटकर तथा विधिवत पूजा अर्चना कर शुभारंभ किया साथ ही नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता चौधरी ने मेले में नगर पालिका द्वारा चल रहे कार्यो का निरीक्षण भी किया एवं संबंधित जिम्मेदार अधिकारीयों/कर्मचारियों से की वार्ता कर कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया , पालिका अध्यक्ष श्वेता चौधरी ने कहा नगर पालिका शहर के विकास के लिए समर्पित हैं साथ ही दाऊ जी मेले को भव्य बनाने हेतु सभी बिंदुओं पर कार्य किया जा रहा हैं सभी तैयारियां लगभग पूर्ण होने की स्थिति में हैं इस अवसर पर सभासद अजय राज,अशोक गोला, नत्थी लाल पाराशर, दिलीप डब्बू, इसरार पहलवान,अनुराग दीक्षित, सुरेश चंद्र शर्मा, त्रिलोकी आदि लोग उपस्थित रहे`

राज्य स्तरीय ऑनलाईन पोस्टर प्रतियोगिता में जनपद से दो विद्यार्थियों का हुआ चयन

फिरोजाबादः गुरुवार को उप जिला निर्वाचन अधिकारी विशु राजा ने बताया कि स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 8 दिसंबर 2023 को 18-20 आयु वर्ग के युवा मतदाताओं तथा यादव,डॉली,कन्हैया गोस्वामी,आदि को भी लोकसभा चुनाव में सराहनीय कार्य को देखते हुए सम्मानित किया,विजेताओं से कहा कि निर्वाचन जैसे कार्यों में सभी को आयोजन जनपद की पांचो विधानसभा में किया गया था।भारतीय मतदान प्रणाली संसदीय लोकतंत्र का अनुसरण करती है जिसमें लोग संसद के लिए प्रतिनिधियों का चुनाव

दिव्यांग मतदाताओं के लिए राज्य स्तरीय ऑनलाईन पोस्टर/स्लोगन प्रतियोगिता 1.0 आयोजित की गई थी।

उक्त आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जनपद से दो विद्यार्थियों का चयन हुआ है।ई.एल.सी क्लब के सदस्य मधुर पाठक जो की मेडिकल कॉलेज के छात्र है।कोमल सोनी डी.ए.वी इंटर कॉलेज की छात्रा है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश द्वारा पुरस्कार सामग्री को उप जिला निर्वाचन अधिकारी विशु राजा ने विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी विशु राजा ने ईएलसी सहायक नोडल अधिकारी हिमांशु शर्मा,विशाल बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करना चाहिए।मतदान लोकतंत्र का एक अभिन्न अंग है,हर किसी को वोट देने का अधिकार है।मतदान एक महत्वपूर्ण नागरिक कर्तव्य है जो हमारे देश के भविष्य को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है।ईएलसी सहायक नोडल अधिकारी हिमांशु शर्मा ने बताया कि लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश निर्वाचन आयोग द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। उन्होंने चार विद्यार्थियों के आवेदन करवाए थे जो कि ईएलसी क्लब के सदस्य हैं।जिसमें से दो विद्यार्थियों का चयन हुआ है। हिमांशु शर्मा ने बताया की चुनाव के पर्व में ईएलसी क्लब के द्वारा प्रचार- प्रसार का करते हैं, और वे उनके लिए कानून बनाते हैं। भारत में भारतीय चुनावी प्रणाली नागरिकों के प्रतिनिधित्व और भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन की गई है, जबकि वे अपने प्रतिनिधियों का चयन करते हैं। मतदान की पूरी प्रक्रिया में कई चरण शामिल हैं, जो मतदाताओं के पंजीकरण से लेकर वास्तविक वोट डालने तक शुरू होते हैं।कार्यक्रम में उप जिला निर्वाचन अधिकारी विशु राजा,ईएलसी सहायक नोडल अधिकारी हिमांशु शर्मा, निर्वाचन कार्यालय से नरसिंह,विशाल यादव, मधुर पाठक,डोली,रोशनी,अंजलि,प्रीत,गुनगुन,परी,जूही आदि उपस्थित रहे।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत

फिरोजाबाद थाना रसूलपुर क्षेत्र के भारत टॉकीज के सामने रेलवे लाइन पर ट्रेन से कटकर एक युवक की मौत हो गई पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लेकर आई है

भारत टॉकीज के सामने रेलवे लाइन पर बुधवार की रात एक ही युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई मौके पर काफी भीड़ एकत्रित हो गई सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और उसकी पहचान कराने का प्रयास किया परंतु पहचान नहीं हो सकी पुलिस अज्ञात के रूप में शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लेकर आई है जहां शव को विच्छेदन ग्रह में रखवा दिया है

इधर जानकारी होते ही मृतक के परिजन जिला अस्पताल पहुंचे जिन्होंने शव की पहचान 18 वर्षीय कृष्णा पुत्र प्रवेद्र निवासी गुरु नगर थाना रसूलपुर के रूप में की है शव को देख परिजनों में कोहराम मच गया पुलिस ने गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों की सुपुर्द कर दिया है

लूटा गया मोबाइल एदो तमंचा और अपाचे बाइक सहित दो दबोचे

फिरोजाबाद। दक्षिण पुलिस ने लूट में वांछित चलरहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटा गया मोबाइलए दो तमंचा और लूट में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस ने पकड़े गये दोनों आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के आदेश पर जेल भेजा है।

प्रभारी निरीक्षक योगेंद्र सिंह ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित के नेतृत्व में लूटए चौरी करने वाले अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया गया। जिसके तहत बृहस्पतिवार को माल गोदाम के समीप से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गये आरोपितों के नाम मोनू और गोविंद निवासी तिवारी गढी थाना बसई मौहम्मदपुर बतैयै। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी योगेन्द्र पाल सिंहए एसआई सिहराज सिहएएएसआई योगेश गौतमए एसआई कपिल कुमारएहैकाण अशोक कुमार व कांस्टेबिल पवन चपराना उपस्थित रहे।

बालिकाओं से छेड़छाड़ मुकदमा दर्ज

फिरोजाबाद। थाना लाइनपार क्षेत्र में बाहर खेल रही दो बालिका के साथ युवक ने छेड़छाड़ कर दी। घटना की थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

लेबर कालोनी में दो बालिकाएं जिसमे एक की उम्र 10 वर्ष घर के बाहर खेल रही थी।

उसी दौरान एक युवक वहा पहुंच गया। उसने बालिकाओं से छेड़छाड़ की। बालिकाएं चिल्लाई तो वह भाग गया। बालिकाओं ने घर जाकर घटना के बारे में बताया।

बालिका की मां ने सत्तार निवासी लेबर कालोनी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। बालिका की मां का कहना है वह युवक से कहने गई तो उसने गाली गलोज दी। किसी से न कहने तथा जन से मारने की धमकी दी।

पुलिस ने कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

आरोपी की तलाश कर रही है।

बसपा नेता पर जानलेवा हमला, दो पर मुकदमा दर्ज

गंभीर रूप से घायल बसपा नेता आगरा रेफर, उपचार जारी

शिकोहाबाद। बुधवार रात दस बजे के करीब खाना खाने के बाद घर के बाहर गली में टहल रहे बसपा नेता एवं पूर्व आंबेडकर जयंती शोभायात्रा के अध्यक्ष पर मोहल्ले के ही युवकों ने जान लेवा हमला कर दिया। हमलावरों ने धारदार हथियार से उसकी गर्दन पर बार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी होने पर थाना पुलिस ने घायल का मेडिकल कराया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत देखते हुए आगरा रेफर कर दिया। इस मामले में घायल की पत्नी सोनी ने दो लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है।

घायल बसपा नेता अवनीश कुमार उर्फ बॉबी जाटव निवासी फ्रेंड्स कॉलोनी की पत्नी सोनी ने थाने में तहरीर दी है. जिसमें उसने कहा है कि उसके पति बुधवार रात साढ़े दस बजे के करीब खाना खाने के बाद घर के बाहर सर्विस रोड पर टहल रहे थे। तभी उसके पति पर पीछे से अनिल उर्फ बॉबी और लाखन निवासी फ्रेंड्स कॉलोनी ने उसके पति की गर्दन में हाथ डाला और उनकी गर्दन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इतना ही नहीं उनके शरीर में भी अन्य कई जगह बार किये। शोर मचाने पर उक्त लोग उसके पति को छोड़ कर भाग गये। इसके बाद वह अपने ससुर के साथ पति को लेकर थाने आई और पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मेडिकल के लिए अस्पताल भेज दिया। इमरजेंसी में तैनात स्टाफ ने प्राथमिक उपचार के बाद आगरा के लिए रेफर कर दिया।

इससंबंध में प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया है कि रुपये के लेनदेन को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ है। घायल की पत्नी सोनी की तहरीर पर अनिल उर्फ बॉबी और लाखन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अपत युवक शहबाज यादव को पुलिस ने किया रेस्क्यू, दो गिरफ्तार

प्रमोद श्रीवास्तव

प्रतापगढ़। जिले में अंतू थाना क्षेत्र के मोहिददीनपुर गांव के पास से 4 सितंबर की शाम सफेद रंग की कार से आये युवकों ने 18 वर्षीय शहबाज यादव का अपहरण कर उठा ले गये।

शहबाज यादव अपनी मौसी के घर आया हुआ था। घटना की जानकारी होने पर अंतू पुलिस सक्रिय हो गयी और लोकेशन के आधार पर अपहताओं तक जा पहुंची।अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी दुर्गेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने घटना के दो घंटे के भीतर ही अपहृत युवक शहबाज यादव का रेस्क्यू कर लिया। कार को भी बरामद कर लिया गया है। कार पर सवार दो लोगों को पकड़ा गया है।

जिन दो लोगों को पकड़ा गया है उनमें एक राज यादव नगर कोतवाली क्षेत्र के राजगढ़ का रहने वाला है। दूसरा युवक शिवम तिवारी जौनपुर जिले के पवारा थाना क्षेत्र का रहने वाला है।

अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस इस मामले में पकड़े गये लोगों से पूछताछ कर रही है।

शिक्षक दिवस पर के आई ई टी कॉलेज मे कक्षा 12 की छात्रा कविता राजपूत को बनाया एक दिन का प्रिंसिपल

मक्खनपुर के आई ई टी इंटर कॉलेज नगला मवासी मे शिक्षक दिवस के पावन पर्व

एवं बेटी पढ़ाओ के उपलक्ष मे कॉलेज के प्रधानाचार्य धर्मेंद्र कुमार ने कक्षा 12 की छात्रा कविता राजपूत को एक दिन का कार्यवाहक प्रिंसिपल बनाया कार्यवाहक प्रिंसिपल कविता ने प्रधानाचार्य के समस्त कार्यों को बारीकी से समझा व सभी कक्षाओं का भ्रमण किया कार्यवाहक प्रिंसिपल ने समस्त स्टॉफ की मीटिंग लेकर अच्छे अध्यापन हेतु जरूरी दिशा निर्देश दिये इस अवसर पर अमूल्य कुमार श्याम सुंदर आशीष कुमार रामरतन राजेश कुमार श्याम सुन्दर श्रीमती ममता एवं समस्त स्टॉफ मौजूद रहा/ छात्रा कविता राजपूत की कक्षा के सभी छात्र छात्राओं ने शुभकामनायें दीं /

शिक्षक सम्मान समारोह में शिक्षकों को मिला समान।

फि रोजाबाद जिला मुख्यालय दबरई पर शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यक्रमो की प्रस्तुतिया की गई। बेसिक शिक्षा से प्रत्येक ब्लॉक से तीन तीन शिक्षकों को सम्मानित किया गया, से 08, फिरोजाबाद से 04, जसरना से 05 शिक्षकों को उनके अपने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया।

आशीष कुमार पांडे द्वारा किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि मनीष अशीजा सदर विधायक, रमेश रंजन जिलाधिकारी व सत्रोंहन सिंह मुख्य विकास अधिकारी रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा किया गया। बेसिक के छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक

इसी क्रम में हुमाना पीपल टू पीपुल इंडिया (कदम प्लस संस्था) के डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर श्री धर्म चन्द्र शर्मा द्वारा एसआरजी सुभाष चन्द्र, ए आर पी. अजय कुमार व मंजूलता और ब्लॉक अरांव से सलिल यादव सहित 13, मदनपुर से 03,खेरगढ से 09, शिकोहाबाद

इसके साथ ही कदम प्लस संस्था में अच्छा कार्य करने वाले वॉलिंटियरों को एक-एक टैबलेट प्रदान की गई।

कार्यक्रम में जिला के समस्त खंड शिक्षा अधिकारी,कदम प्लस संस्था का समस्त स्टॉफ भी उपस्थि रहा।

एम्बुलेंस में बीमार पति का आक्सीजन सपोर्ट हटाकर पीड़िता से छेडछाड़ ध्वस्त कानून व्यवस्था की पराकाष्ठा-प्रमोद तिवारी

राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता ने जम्मू कश्मीर को केन्द्र शासित बनाने के मोदी सरकार के फैसले को करार दिया अदूरदर्शिता

प्रमोद श्रीवास्तव

प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने यूपी में लगातार महिलाओं के साथ बर्बर घटनाओं को लेकर गहरी चिन्ता जतायी है। प्रदेश में बीमार पति को एम्बुलेंस से घर ले जा रही पीड़िता के साथ छेडछाड तथा उसके पति का ऑक्सीजन सपोर्ट हटाए जाने से हुई मौत की घटना को राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने अति अमानवीय तथा अति दुर्दान्त घटना करार दिया है। उन्होने कहा कि यह ध्वस्त हुई कानून व्यवस्था की पराकाष्ठा है कि बेखौफ अपराध के चलते पीडिता के बीमार पति की सांसे थम गयी। वहीं उन्होने कासगंज में महिला अधिवक्ता का अपहरण कर उसकी बर्बरतापूर्वक हत्या को भी प्रदेश का साहस दिखलाया है। उन्होनें पीएम मोदी पर तंज कसा कि विश्वगुरू बेटी को अर्न्तराष्ट्रीय पटल पर न्याय नही दिला सके और अब भाजपा देश को मिली

की कानून व्यवस्था के लिए शर्मनाक कहा। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने भाजपा द्वारा देश के सीमावर्ती राज्य जम्मू कश्मीर में राज्य का दर्जा घटाए जाने को वहां की जनता के साथ छल करार दिया। उन्होने कहा कि देश के संवेदनशील सीमावर्ती राज्य जम्मू कश्मीर को केन्द्र शासित प्रदेश बनाकर भाजपा ने अनोखा अन्याय किया है। उन्होनें कहा कि चुनाव के समय अब भाजपा का यह कहना कि वह सत्ता मे आयी तो इसे राज्य का दर्जा देगी पूरी तरह छलावा है।

राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि भाजपा की केन्द्र सरकार का जम्मू कश्मीर को राज्य के दर्जे को समाप्त करने का फैसला अर्न्तराष्ट्रीय कूटनय के क्षेत्र में भी मोदी सरकार की अदूरदर्शिता है। उन्होने हरियाणा में पेरिस ओलंपिक की स्टार विनेश फोगाट को कांग्रेस से टिकट देने को लेकर भाजपा के हताशापूर्ण बयान की भी तल्ख आलोचना की। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि कांग्रेस ने भारत की सिल्वर मेडल की हकदार बेटी के साथ खडे होने पीड़ा तक का उपहास उड़ा रही है। हिमांचल प्रदेश में आर्थिक संकट को लेकर एक केन्द्रीय मंत्री के बयान पर भी राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने पलटवार किया है। उन्होने कहा कि दैवीय आपदा के चलते आर्थिक संकट से जूझ रहे हिमांचल में भाजपा ने राज्य का यथोचित हक तक छीनकर मानवता की हद कर दी। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि दूसरे राज्यों को तो मोदी सरकार ने जरूरत से ज्यादा आर्थिक सहायता दी।

सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि सिर्फ कांग्रेस की सरकार होने के नाते हिमांचल को जरूरत भर की भी आर्थिक सहायता मुहैया न करा पाना मोदी सरकार की राजनैतिक प्रतिशोध की इंतहा है। गुरूवार को मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल के हवाले से यहां जारी बयान में राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने शिक्षक दिवस पर शिक्षकों के योगदान को राष्ट्र निर्माण में अतुलनीय ठहराया है। उन्होनें कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण में शिक्षकों को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चिंतन को साकार बनाने में संकल्पबद्ध होना चाहिए।

उत्पीड़क कार्रवाईयों पर गरजे अधिवक्ता, नारेबाजी कर किया विरोध प्रदर्शन

कासगंज में महिला अधिवक्ता की हत्या पर आक्रोश, कामकाज का किया बहिष्कार

प्रमोद श्रीवास्तव

प्रतापगढ़। कासगंज में महिला अधिवक्ता की बर्बर हत्या तथा तहसील में भी साथी अधिवक्ताओं के लगातार उत्पीडन को लेकर गुरूवार को अधिवक्ताओ में आक्रोश पनप उठा। अधिवक्ताओ ने नारेबाजी के साथ विरोध प्रदर्शन किया। वहीं न्यायिक कामकाज का भी बहिष्कार किया। स्थानीय तहसील परिसर में अधिवक्ताओं की आम सभा संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संदीप सिंह की अध्यक्षता में हुई। आमसभा में प्रदेश के कासगंज में महिला अधिवक्ता मोहिनी तोमर की अगवा कर हत्या की घटना सुनकर वकील भड़क उठे। वही तहसील के दिवंगत अधिवक्ता पदमाकर पाण्डेय के सांगीपुर बाजार स्थित मकान पर अवैध कब्जे को लेकर भी साथियों में गुस्सा दिखा। आम सभा में घटनाओ के विरोध में न्यायिक कामकाज से विरत रहने का प्रस्ताव पारित हुआ। अधिवक्ताओं ने नेशनल हाइवे से सटे तहसील गेट पर पुलिस व प्रशासन के खिलाफ घंटो नारेबाजी की। इसके बाद आक्रोशित वकील नारेबाजी करते एसडीएम अदालत के सामने पोर्टिको में पहुंचे।

वकीलों ने चेंबर में मौजूद एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा को प्रस्ताव सौपा। अधिवक्ताओं ने कहा कि अधिवक्ता के मकान पर अवैध कब्जे की जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाय। एसडीएम ने तहसीलदार से वार्ता कर समस्या के समाधान कराए जाने के निर्देश दिये। इसके बाद वकीलों का गुस्सा शांत हुआ।

कामकाज के बहिष्कार के चलते अदालतों में सन्नाटा पसरा दिखा। आम सभा का संचालन महामंत्री सूर्यकांत निराला व संयोजन उपाध्यक्ष बालेन्द्र त्रिपाठी ने किया।

इस मौके पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष विभाकर नाथ शुक्ल, ज्ञानप्रकाश शुक्ल, अनिल महेश, संतोष पाण्डेय, प्रमोद सिंह, संजय सिंह, शिवरंजन यादव, हरिश्चंद्र पाण्डेय, सिंटू मिश्र, केके शुक्ला, शिवेन्द्र तिवारी, राहुल मिश्र, विपिन शुक्ल आदि अधिवक्ता रहे।

शिक्षक दिवस पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने शिक्षक को किया सम्मानित

प्रमोद श्रीवास्तव

प्रतापगढ़। शिक्षक दिवस पर शहर के मीरा भवन के पास स्थित लीला पैलेस में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ प्रतापगढ़ के संयोजन में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें शिक्षा के क्षेत्र में शुरूआत की। डॉ. अरुण कुमार रत्नाकर ने काव्य पाठ के जरिए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात कई शिक्षकों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि शिक्षा और प्राथमिक विद्यालय शमशेरगंज के शिक्षक डॉ. अरुण कुमार रत्नाकर को बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह व अपर जिला जज ने संयुक्त रुप से सम्मान पत्र एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया ।

डॉ. रत्नाकर को सम्मानित

बेहतर कार्य कर रहे शिक्षकों को सम्मानित किया गया ।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह ने माँ सरस्वती एवं डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित करके कार्यक्रम की शिक्षक की अहम भूमिका होती है, क्योंकि शिक्षा ज्ञान को बढ़ाती है और शिक्षक मनुष्य को समाज में उच्च स्थान पाने के मार्ग को प्रशस्त करता है । कार्यक्रम के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए किए जाने पर मिठाईलाल गौतम, डॉ. सच्चिदानंद त्रिपाठी, अधिवक्ता पुरुषोत्तम सोनी,विनोद आर्या,अरविन्द दुबे, पुनीत मिश्र,विमलेश गुप्ता, राजेन्द्र मौर्य आदि ने खुशी जाहिर की।

अबैध शराब विरूद्ध चलाया चैकिंग अभियान ओबर रैटिग से शराब न वेची जाये दिये सख्त निर्देश

हाथरस–अवैध शराब निर्माण ,बिक्री ,परिवहन, भंडारण, अपमिश्रण ,ओवर रेटिंग के विरुद्ध प्रवर्तन अभियान के दृष्टिगत आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के निर्देशन तथा जिलाधिकारी हाथरस के पर्यवेक्षण तथा जिला आबकारी अधिकारी हाथरस के नेतृत्व में जनपद हाथरस में आबकारी टीम द्वारा थाना हाथरस जंक्शन तथा थाना सिकंदरा राऊ तथा थाना हसायन अन्तर्गत विभिन्न मदिरा की दुकानों का औचक निरीक्षण करते हुए स्टॉक का मिलान किया गया तथा टेस्ट परचेसिंग करते हुए अनुज्ञापियों को शत प्रतिशत ढडरॣल्ली से बिक्री सुनिश्चित करने के सख्त दिशा निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त उक्त क्षेत्र में स्थित विभिन्न होटलों /ढाबों तथा सड़क पर खड़े टैंकरों आदि की तलाशी भी ली गई' कार्यवाही के दौरान क्षितिज कुमार, आबकारी निरीक्षक हाथरस सदर मय आबकारी स्टाफ उपस्थित रहे।

फिरोजाबाद में पैदल यात्रियों की सुरक्षा की अनदेखी

(उमाकांत पचौरी)
ब्यूरो प्रमुख

फिरोजाबाद 5 सितंबर । फिरोजाबाद के नगर निगम द्वारा करोड़ों की लागत से बनाए गए स्मार्ट रोड पर दुकानदारों द्वारा

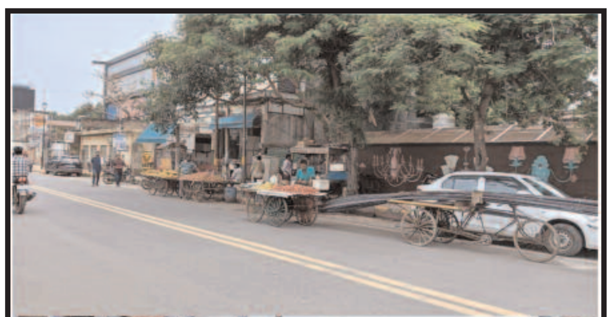

अपने ठेले और दुकान का समान रखने से पैदल यात्रियों के लिए चलना मुश्किल हो गया है। यह न केवल पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि यह नगर निगम की लापरवाही को भी दर्शाता है।

इस स्मार्ट रोड का उद्घाटन तत्कालीन मेयर नूतन राठौर और वर्तमान सांस्कृतिक मंत्री ठाकुर जयवीर सिंह ने सुभाष तिराहे पर पूजन कर किया था, जिसमें हजारों लोगों की भीड़ भी रही थी। लेकिन अब यह स्मार्ट रोड पैदल यात्रियों के लिए खतरा बन गया है।

पैदल पथ का उद्देश्य पैदल यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक तरीके से चलने की जगह प्रदान करना है, लेकिन फिरोजाबाद में यह उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा है। दुकानदारों द्वारा पैदल पथ पर अपने समान रखने से पैदल यात्रियों को सड़क पर चलना पड़ता है, जिससे वाहनों के साथ दुर्घटना होने का खतरा बढ़ जाता है।

इस समस्या के बावजूद, नगर निगम प्रशासन इस पर आंखें मूंदे हुए है। यह लापरवाही न केवल पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि यह नगर निगम की जिम्मेदारी की अनदेखी को भी दर्शाती है।

पैदल यात्रियों का कहना है कि वे सड़क पर चलने के लिए मजबूर हैं, क्योंकि पैदल पथ पर दुकानदारों का समान रखा हुआ है। उन्होंने कहा कि यह बहुत खतरनाक है और उन्हें डर है कि वे किसी दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं।

यह समस्या जल्द से जल्द हल होनी चाहिए, ताकि पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। हमें उम्मीद है कि जल्द ही इस समस्या का समाधान होगा और पैदल यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक चलने की जगह मिलेगी।

शिक्षिका हत्याकांड की मुख्य आरोपी सीमा गिरफ्तार

शिकोहाबाद। थाना नसीरपुर पुलिस टीम ने 26 अगस्त को एक महिला कमलेश सरकारी टीचर की हत्या का सफल अनावरण कर दिया। पुलिस ने मुख्य आरोपित दस हजार की इनामिया आरोपित सीमा यादव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्ज से मृतका कमलेश के आधार कार्ड की एक छाया प्रति,दो क्रेडिट कार्ड,पैन कार्ड की छाया प्रति व एक एमआई का मोबाइल फोन बरामद किया है।

एसपी ग्रामीण अखिलेश भदौरिया ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि शिक्षिका कमलेश की 26 अगस्त को हत्या कर शव नसीरपुर क्षेत्र अंतर्गत पुन्नछा गांव के समीप फेंक दिया था। 27 अगस्त को मृतका के पुत्र चिराग यादव ने मुकदमा दर्ज कराया था। जिसके बाद हत्याकांड के खुलासे के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने तीन टीमें गठित की थीं। टीमें आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रहीं थी। गठित पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज व मुखबिर खास की सूचना पर हत्या में मुख्य 10 हजार की ईनामिया आरोपित सीमा यादव पत्नी योगेन्द्र सिंह निवासी गली न 4 एदल नगर आसफाबाद को पांच सितंबर को सुबह सात बजे शिकोहाबाद रेलवे स्टेशन के पीछे कच्चे रास्ते से दबोच लिया। तलाशी में उसके पास मृतका कमलेश का एक आधार कार्ड की छाया प्रति,दो क्रेडिट कार्ड,पैन कार्ड की छाया प्रति व एक मोबाइल फोन बरामद किया। गिरफ्तारी के आधार पर अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

उन्होंने बताया कि उक्त हत्याकांड को एक सितंबर को मुख्य आरोपी सीमा यादव के साथी बिल्लू उर्फ सागर पुत्र स्व रामप्रकाश निवासी नगला गोकुल थाना बसई मोहम्मदपुर को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

जबकि फरार साथी टीटू उर्फ संदीप यादव निवासी हुकमपुरा नगला केहरी घिरोर मैनपुरी और हरीशंकर उर्फ हरिओम निवासी नगला गुरुकुल बसई मोहम्मदपुर पर दस-दस हजार रुपये का ईनाम घोषित है। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है।

पूछताछ विवरण

एसपी ग्रामीण ने बताया कि पूछताछ में मुख्य हत्या रोपित सीमा यादव ने बताया कि मेरी ससुराल मटसेना थाना क्षेत्र में ग्राम सौरामगढी अहलादपुर में है। मैं ग्राम सौरामगढी में आँगनवाडी का काम करती हूँ और साथ ही प्रोपट्री डीलिंग का भी काम कर लेती हूँ । मेरी 2019 में बिल्लू यादव उर्फ सागर पुत्र रामप्रकाश यादव निवासी ग्राम नगला गोकुल थाना बसई मोहम्मदपुर से जान पहचान हो गयी थी। बिल्लू यादव का साला टीटू उर्फ सन्दीप यादव पुत्र हरीबाबू निवासी ग्राम नगला केहरी थाना घिरोर जिला मैनपुरी भी काम करता था। सन 2019 में ही मेरी मुलाकात कमलेश पत्नी अनुज यादव निवासी जोशियान मोहल्ला चन्द्रवार गेट थाना दक्षिण फिरोजाबाद से हुई थी। वह प्रोपर्टी डीलिंग का काम करती थी, इसलिये उसने कमलेश से प्रोपर्टी में रुपए लगाने के लिये कई बार में करीब 35 लाख रुपए ले लिये थे। कमलेश उसे 5 परसेन्ट के हिसाब से ब्याज पर रुपए देती थी। फिर धीरे धीरे उसे प्रोपर्टी में नुकसान हो गया और कमलेश के ब्याज के रुपए बढने लगे। अब तक कुल करीब 50 लाख रुपए हो गये थे । जब वह रोज के तगादे से तंग व परेशान होने लगी तो उसने यह बात अपने मिलने वाले बिल्लू यादव को बतायी और फिर हम दोनों ने उसको रास्ते से हटाने का प्लान बनाया ।

जिसके बाद बिल्लू अपने साथ अपना साला टीटू व अपने ही गांव के रहने वाले हरीशंकर पुत्र अरविन्द को मेरे घर पर लेकर आया और प्लान बनाया कि हम सब मिलकर कमलेश को रास्ते से हटा देगें । हरीशंकर व टीटू को एक एक लाख रुपए देने की बात तय हुई और 26 अगस्त को मारने का प्लान बनाया। 26 को जन्माष्टमी थी, तो रोड पर भीड भाड कम रहती है । सीमा ने बिल्लू को 40 हजार रुपए एडवांस में हरीशंकर व टीटू को देने के लिये दिये । इसके बाद उसकी गाड़ी में हत्या कर शव को नसीरपुर के गांव पुन्नछा के समीप झाड़ियों मे फेंक कर भाग आए।

किशोर की इलाज के दौरान मौत झोलाछाप पर लगाया आरोप

एका: गांव फतेहपुर निवासी किशोर की इलाज के दौरान मौत। झोला छाप डॉक्टर पर लगाया गलत इलाज करने का आरोप।

एका के गांव फतेहपुर निवासी संतोष के 12 वर्षीय पुत्र ललित के पेट में बुधवार को तेज दर्द हुआ। संतोष ललित को लेकर पास के गांव कुंजपुर में मुलायम सिंह के क्लीनिक पर ले गए। डॉक्टर मुलायम सिंह ने ललित को देखकर एक इंजेक्शन लगा लिया,इसके बाद ललित के शरीर में ऐठन के साथ तेज दर्द होने लगा। परिजनों ने डॉक्टर को बताया तो मुलायम सिंह ने एक और इंजेक्शन लगा दिया मामला कंट्रोल से बाहर देखते ही मुलायम सिंह ने उसे एटा ले जाने की सलाह दी। पिता संतोष ने बताया कि रास्ते में ही ललित की मौत हो गई। अस्पताल पहुंचकर डॉक्टर को दिखाया तो उन्होंने ललित को मृत घोषित कर दिया।

ललित आध्या पब्लिक स्कूल में कक्षा चार का छात्र था। चार भाई बहनों में ललित तीसरे नंबर का था छोटा भाई दिव्यांशु के साथ मां अनीता का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा है

किशोर की मौत के बाद जागा स्वास्थ्य विभाग क्लीनिक सील

फतेहपुर निवासी मृतक किशोर के परिजनों द्वारा झोलाछाप पर आरोप लगते ही स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हो गया। मामले की सच्चाई जानने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक डॉ सत्येंद्र चौधरी गांव कुंजपुर में लोगों से जानकारी करते हुए कथित डॉक्टर मुलायम सिंह के क्लीनिक पर पहुंचे। दुकान बंद मिली दुकान पर कोई नाम निशान या बोर्ड नहीं था।

अपने उच्चाधिकारियों को मामले की जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी राम मदन राम को अवगत कराया, इसके बाद उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी वी डी अग्रवाल ने क्लिनिक सील करने के निर्देश दे दिए,क्लीनिक को सील करने के बाद स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक ने बताया कि पूर्व में भी झोलाछापों के खिलाफ लगातार कार्रवाई होती रही है,ऐसे लोग अब बिना बोर्ड के चुपके से क्लीनिक खोल लेते हैं। अब इन लोगों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई होगी।

थाना अध्यक्ष मनोज कुमार शर्मा ने बताया की मृत्यु का कारण जानने के लिए शव का पोस्टमार्टम कराया है कुंजपुर निवासी एक डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं अभी तक कोई शिकायती पत्र नहीं मिला।

निःशुल्क नेत्र शिविर में 105 मरीजों ने कराया परीक्षण

शिकोहाबाद। कल्याणं करोति मथुरा द्वारा संचालित श्री जी बाबा नेत्र चिक्तिसा संस्थान मथुरा एवं श्याम स्टील लिमिटेड कोलकता के तत्वाधान में

बृहस्पतिवार को नेत्र चिक्तिसा शिविर का अयोजन हरिशंकर फार्म हाउस मैनपुरी रोड पर किया गया।

जिसमें 105 मरीजो ने पंजिकरण करा कर वरिष्ठ चिक्तिको से परीक्षण कराया। शिविर में 105 मरीजों ने परिक्षण कराया। जिसमें से 15 मरीजों को चश्मा,परिक्षण के द्वारा मिले। 30 मोतियाबिन्द के मरीजो को निःशुल्क ऑपरेशन हेतु श्री जी बाबा नेत्र चिक्तिसालय मथुरा भेजा गया। शिविर में आशीष तिवारी,डॉ. सुमित सिंह,शैलेंद्र यादव कोऑर्डिनेटर,सनी सारस्वत,जितेन शर्मा,यज्ञ देव आर्य आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

बीडीएम कॉलेज में मनाया गया शिक्षक दिवस

शिकोहाबाद। बीडीएम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीता यादवेन्दु की अध्यक्षता में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जंयती के

अवसर पर शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मॉ सरस्वती की प्रतिमा व डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णनन की प्रतिमा पर माल्यापण कर किया गया। इसके बाद संगीत विभाग की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की।

कार्यक्रम में वंदना प्रस्तुत करने वाली छात्राओं में शिखा शर्मा, शिल्पी यादव, मोनिका शर्मा, सालिनी कुमारी, अंशिका, सीता यादव, अंजली यादव ने सांस्कृतिक प्रभारी एवं संगीत विभागाध्यक्ष डॉ. मोनिका सिंह के निर्देशन में शारदे मॉ सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। छात्राओं द्वारा गुरू जी मेरे एक आधार पर गुरू वंदना प्रस्तुत की गई। छात्रा शुभि द्वारा स्वागत गीत लहर मिलके बने सागर पर नृत्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सभी शिक्षिकाओं को छात्राओं द्वारा तिलक लगाकर बुके एवं लेखनी भेंट कर स्वागत व सम्मान किया गया। संचालन शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष ब्यूटी सिंह तथा पूजा राजपूत ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रो. गीता यादवेन्दु, प्रो.शशिप्रभा तोमर, प्रो. सीमारानी जैन, दर्शना कुमारी, डॉ. सीमारानी, डॉ.नीलम, प्रीति सिंह, डॉ.माया गुप्ता, डॉ.नम्रता प्रसाद, ब्यूटी सिंह, पूजा राजपूत, पल्लवी पांडेय, डॉ.मोनिका सिंह, डॉ.ममता भारद्वाज, पिंकी, निधि जायसवाल, सोनिका, नंदनी आदि उपस्थित रहीं।

मेडिकल कॉलेज के आई डिपार्टमेंट में चल रही डॉक्टर की मनमर्जी

मरीजों को बाहर से लिखी जा रही आई ड्राप, मेडिकल कॉलेज से नहीं दे रहे दवा

फिरोजाबाद। मेडिकल कॉलेज के आई डिपार्टमेंट में डॉक्टरों की मनमर्जी चल रही है। जिससे गरीब और लाचार मरीज बाहर से दवा खरीदने के लिए मजबूर हो रहा है। कमीशन के चक्कर में डॉक्टर बाहर से आई ड्राप लिख रहे हैं।

मेडिकल कॉलेज में मरीजों के साथ छलाबा किया जा रहा है। अस्पताल में दवा होने के बाबजूद उन्हें बाहर से दवा लिखी जा रही है। जिससे उन्हें अपनी जेब से रुपये खर्च करने को मजबूर होना पड़ रहा है।

गरीब मजदूर 1 रुपए का पर्चा बनवाकर सरकारी दवा लेकिन आ रहे हैं। लेकिन डॉक्टर 200 से 250 रुपए में बाहर से दावा लेने को मरीजों को मजबूर कर रहे है। अकलपुर निवासी राजबहादुर ने बताया कि पैसे नहीं है। इस लिए सरकारी हॉस्पिटल आए।

यहां भी डॉक्टर ने एक ड्रॉप अस्पताल से लेने को कहा और दो ड्रॉप बाजार से लेने की बोल दी है। उन्होंने कहा कि इससे अच्छा तो यही होता कि सरकारी हॉस्पिटल से दावा लेने की बजाय बाजार में किसी डॉक्टर को दिखा देते।

रसूलपुर निवासी ज्ञान देवी ने बताया कि उसकी आंखों में तकलीफ थी। इससे वह दावा लेने के लिए अस्पताल आई। यहां एक ड्रॉप डॉक्टर ने दे दिया और बोले पर्चे के पीछे की दवा बाहर से मिलेगी।

जब इस मामले में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नवीन जैन से पूंछा तो कैमरे के सामने कुछ भी बोलने से मना कर दिया।

छात्रों ने शिक्षक दिवस पर स्कूल को दिए छह गमले

शिकोहाबाद। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उरमुरा में शिक्षक ओपीएस के आवाहन पर काली पट्टी बांध कर शिक्षण कार्य कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ क्लास 9 की छात्राओं ने शिक्षक दिवस पर अनूठी पहल कर सबको चौका दिया। छात्र छात्राओं ने शिक्षक दिवस पर विधालय परिवार को 6 गमला भेंट किए। छात्रों ने गमले देकर यह संदेश देने के प्रयास किया हम सब मिलकर ही इस पर्यावरण को सुरक्षित रख सकते हैं। उसका छोटा सा संदेश था। इस कार्य में
र ा ग ा न ा ी
राजपूत,आयुषी,वैशाली,भावना,ि
स ा फ ा
बानो,शिल्पी,पूनम,रागिनी,अनामि
ाका,बबली,सोनिका,जाह्नवी,अनु
राधा,सुधा आदि छात्र छात्राएं उपस्थित रीहं। अध्यापकों ने इस पहल को सराहा। शिक्षकों ने कहा कि एक तरफ शिक्षको का सम्मान हो रहा है, दूसरी तरफ शिक्षक 2 सितंबर से काली पट्टी बांध कर शिक्षण कार्य कर रहा है। अटेवा महामंत्री डॉ. सहदेव सिंह चौहान ने कहा इस से ज्यादा दुर्भाग्य क्या होगा। प्रधान मंत्री और मुख्यमंत्री को बैठाकर समस्या के समाधान पर विचार करना चाहिए। नेताओं के पेंशन और भत्ता के लिए सरकार के पास पैसा है, परंतु कर्मचारी के लिए नही। यही कर्मचारी कोरोना काल में अपनी जान हथेली पर रख कर जी जान से सेवा में जुटे थे। जाने कितनो ने अपनी जान गवाई। सरकार से निवेदन है पुरानी पेंशन देकर शिक्षको को बदहाली की जिंदगी जीने से बचाए। इस कार्य में डॉ. सहदेव सिंह चौहान,राजेश कुमार.संतोष कुमार.सुनील कुमार.केशव सिंह.योगेंद्र कु मार.रावली.आरती.राखी माथुर.दीक्षा.राधा. अल्सीफा आदि लोग उपस्थित रहे।

आरआरबी के अधिकारी जांच को पहुंचे नौशेहरा

शिकोहाबाद। एनएच -2 पर नौसरा ग्राम पंचायत क्षेत्र में हाईवे पर ओवर और फुट ओवर ब्रिज ना होने से कई हादसे हुए हैं। इसकी शिकायत को लेकर पूर्व

सभासद ने जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया था। डीएम के संज्ञान लेने के बाद बृहस्पतिवार को आरआरबी और एनएचआई के सर्वेयर ने मौके पर पहुंच कर जांच की। इस दौरान शिकायतकर्ता पूर्व सभासद भी मौजूद रहे।

पूर्व सभासद देव यादव ने बताया कि पिछले कई महीनों से लगातार सड़क दुर्घटनायें हो रही हैं। जिसमें कई लोगों की जान चली गई। जिसको देखते हुए युवाओं की आवाज सामाजिक संगठन उत्तर प्रदेश के संस्थापक निवर्तमान जिला योजना समिति के सदस्य देव यादव के नेतृत्व में नौसहर ग्राम पंचायत के संयोजक मेघेंद्र कुशवाह व संगठन के अन्य पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से एक ज्ञापन डीएम को सोंपा था। जिसमें एनएच 2 पर पैदल यात्रियों को निकालने के लिए फुटपाथ ओवर ब्रिज या अंडा पास बनाने की मांग की थी।

जिस पर जिलाधिकारी ने संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को भेजा। जिसमें बृहस्पतिवार को एनएच 2 को सिक्स लेन करने वाली कंपनी आरआरबी के भुवनेश पटेल तथा एनएचआई के सर्वेयर राजेश सिसोदिया व इंडिपेंडिट इंजीनियर संजय गिरी ने मौके पर पहुंच कर सर्वे किया। आश्वासन दिया कि जल्द ही क्षेत्र के लोगों की जन समस्या को देखते हुए उचित कार्रवाई की जाएगी। फुटपाथ ओवर ब्रिज के जगह अंडरपास बनाने पर भी विचार विमर्श हुआ।

जानकारी होते ही क्षेत्र के लोग बड़ी संख्या में एकत्रित हो गए, जिसमें संगठन के ग्राम पंचायत संयोजक मेघेंद्र कुशवाह,समाज सेवी दीपक यादव,पुर्व प्रधान विक्रम सिंह,अभिषेक कुशवाह,धर्मवीर कुशवाह,आकाश कुमार, पंकज कुमार और मिथलेश आदि लोग उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस पर नगर में शिक्षकों को किया सम्मानित

शिकोहाबाद। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्ण का जन्मदिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधकों ने शिक्षकों को सम्मानित किया। छात्र-छात्राओं ने अपने शिक्षकों को

उपहार देकर उन्हें शिक्षक दिवस की बधाई दी।

आवास विकास कॉलोनी स्थित मेजर रामवीर सिंह आईटीआई एवं मेजर रामवीर सिंह ग्रुप आफ एजूकेशनल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों को प्रतीक चिंह देकर सम्मानित किया। इस दौरान पूर्व सैनिकों ने सेवानिवृत लेफ्टीनेंट रविंद्र सिंह का भी स्वागत एवं सम्मानित किया। संचालन विद्यालय निदेशक ई. रामब्रेश यादव और डॉ. प्रताप सिंह यादव ने किया। इस दौरान विद्यालय की छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस । इस दौरान स्कूल में अनेक कार्यक्रम हुए। इसके अलावा प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। वहीं छात्रों ने शिक्षक दिवस पर स्वयं शिक्षक बनकर कक्षाओं की जिम्मेदारी संभाली। छात्र.छात्राओं ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद कर उनके आदर्शो पर चलने का संकल्प लिया। वहीं इस मौके पर छात्रों ने अपने गुरुजनों का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर विद्यालय के संरक्षक डॉ.सुकेश यादव व विद्यालय की निर्देशिका डॉ. गीता यादव उपस्थित रहे। विद्यालय की प्रधानाचार्या एकता शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

डीआर इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य ओपी यादव की अध्यक्षता में,एसआरएस मेमोरियल इंटरनेशनल स्कूल में प्रबंध निदेशक ठाकुर जयवीर सिंह तौमर, गार्डेनिया इंटर कॉलेज में प्रबंधक भूपेंद्र सिंह यादव, ज्ञानदीप सीनियर सैकेंड्री में डॉ. रजनी यादव, राज कान्वेंट इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य राजकिशोर यादव और लकी पब्लिक स्कूल में वीरेंद्र सिंह यादव, सेंट आरसीएस स्कूल में श्रीनिवास यादव के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किये गये। बच्चों ने गुरुओं को प्रतीक चिंह एवं पुष्प माला पहना कर सम्मानित किया।

बिना सुविधा शुल्क के आधार कार्ड नही हो रहे अपडेट

फिरोजाबाद, जिला पूर्ति विभाग व सरकार के द्वारा राशन कार्ड धारकों को ई-केबाईसी कराने के आदेश सभी उपभोक्ताओं को जारी कर कहा गया है कि वह अपने अपने डीलर के यहां जाकर ई-केबाईसी करवा लें जिसमे अधिकतर उपभोक्ताओं के आधार कार्ड अपडेट न होने की बजह से दलाल किस्म के लोगो द्वारा सुविधा शुल्क की मांग की जाती है जिसके कारण लोगो को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है

जनपद में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत समस्त राशनकार्ड धारकों के लिये सरकार द्वारा ई-केबाईसी कराने के आदेश दिये गये है। कि जनपद के सभी राशनकार्ड उपभोक्ता अपने अपने डीलरों के पास जाकर राशन कार्ड में अंकित परिवार के सभी लोगो की ई-केबाईसी करवा लें। लेकिन बहुत से उपभोक्ताओं का कहना है। कि जब हम परिवार के साथ राशन डीलर की दुकान पर गये। तो अधिकतर लोगों के आधार कार्ड अपडेट न होने की बजह से ई-केबाईसी नही हो सकी। और आधार कार्ड को अपडेट करवाने के लिये पोस्ट ऑफिस एवं अन्य केन्द्रों पर गये, तो उन केन्द्रों पर लम्बी लम्बी लाइने लगी हुई है। जब कि राशन कार्ड की ई-केबाईसी के लिये सितम्बर माह आखिरी है। उसके बाद राशन उपभोक्ताओं को राशन सामिग्री मिलना मुश्किल होगा।

आधार अपडेट करवाने के लिये केन्द्रों के बाहर दलाल किस्म के लोग सक्रिय है, जो अपडेट कराने के लिये सुविधा शुल्क की मांग करते देखे गये। अपने परिवार का आधार अपडेट कराने गये, रामनिवास, हरिशंकर, शिवनरायन ने बताया कि वह अपने परिवार का आधार कार्ड अपडेट करवाने को सुहागनगर पोस्ट ऑफिस गये, तो वहाँ लगी लम्बी लम्बी लाइन को देखकर अचम्भे में पड़ गये, उन्होंने बताया कि जो व्यक्ति आधार कार्ड को अपडेट कराने के लिये सुविधा शुल्क दे देता है। उसका काम शीघ्र हो जाता है, वर्ना एक से दो माह तक की तारीख उसके आवेदन पर डाल दी जाती है। जब कि ई-केबाईसी के लिये सितम्बर माह आखिरी बताया गया है। फिर कैसे होगी परिवार के सदस्यों की ई-केबाईसी।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रशान्त वशिष्ठ के लिये पुष्प प्रिंटर्स, बौधाश्रम फिरोजाबाद से छपकर कार्यालय दैनिक सच क्या है बौधाश्रम फिरोजाबाद से प्रकाशित।
सम्पादक- छीतरिया शर्मा
फोन नं. 05612297399.
9411927251,
9259041013,
9997830502
E-mail fzd@suchkyahai.com
suchkyahai@gmail.com
suchkyahai87@gmail.com